



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई विल्ली, शनिवार, नवम्बर 30, 1985 (अग्रहायण 9, 1907)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1985 (AGRAHAYANA 9, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और
सूचनाएं सम्मिलित हैं

(Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and
Notices issued by Statutory Bodies)

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिचालन और वित्तास विभाग

बम्बई—400005, दिनांक 9 नवम्बर, 1985

संदर्भ : छो० बी० ओ० छो० स० आह० एन० सी०
एल० 317/एफ० ओ० एल० सी० 102-85—भारतीय
रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) को धारा
42 की उपधारा 6 के खण्ड के अनुदरण में, भारतीय
रिजर्व बैंक एवं द्वारा निलंबित बैंक की उन्नत अधिनियम
की द्वितीय अनुसूची में सम्मिलित करने का निदेश देता
है :

“मोमान इन्टरेशनल बैंक एस० ए० ओ०”

ए० घोष
उप गवर्नर

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 25 अक्टूबर, 1985

सं० आई० एन० एस० पी०/एन० टी०/1376—इसके
द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्तियाँ
अधिसूचित की जाती हैं :—

नाम	पदनाम	नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
बी० जी० बनर्जी	शाखा निरीक्षक	04-06-1985
ए० के० पी० नम्बियार	शाखा निरीक्षक	19-06-1985
पी० जी० मुंशी	शाखा निरीक्षक	26-06-1985
एस० के० शर्मा	शाखा निरीक्षक	22-06-1985

नाम सर्वंशी	पदनाम	नियुक्ति की तिथि	स्टेट बैंक शाफ पटियाला ग्रांचिलिक कार्यालय
के० पी० सिंग	शाखा निरीक्षक	22-06-1985	नई दिल्ली—110001, दिनांक 18 नवम्बर 1985
बी० के० निगम	शाखा निरीक्षक	01-03-1985	क्रमांक आ० प्र०/11930—भारत सरकार के राजपत्र में पर्यंतेक कर्मचारी वर्ग की तैनाती/स्थानांतरण की अधिसूचना हेतु विवरण (अक्टूबर 1985)।
ब्ही० बी० दुरेप्पा	शाखा निरीक्षक	02-07-1985	1. (पंजाब बिजली राज्य बोर्ड), पटियाला में कार्यरत अधिकारी श्री गुणवीर सिंह विक का स्थानांतरण पटियाला से कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में सहायक लेखापाल के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 26-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
नारेन	शाखा निरीक्षक	08-07-1985	2. बान्दा, बम्बई में कार्यरत अधिकारी श्री आर० एल० वधवा का स्थानांतरण बान्दा, बम्बई से नारीमन पाइन्ट, बम्बई में सहायक लेखापाल के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 29-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
ब्ही० कामेश्वर शर्मा	शाखा निरीक्षक	09-07-1985	3. राजपुरा में कार्यरत अधिकारी श्री सुरेश शर्मा का स्थानांतरण राजपुरा से महारानपुर में सहायक लेखापाल के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 28-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
के० एन० नगरकर	शाखा निरीक्षक	18-07-1985	4. कानपुर में कार्यरत अधिकारी कुमारी चन्द्र रेखा का स्थानांतरण गुमटी नं० 5, कानपुर से नवीन मार्केट, कानपुर में सहायक लेखापाल के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 17-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
एस० ब्ही० जयबाल	शाखा निरीक्षक	29-07-1985	5. श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली में कार्यरत अधिकारी श्री अभिनन्दन कुमार जैन का स्थानांतरण श्रद्धानन्द मार्ग, दिल्ली से जनकपुरी, नई दिल्ली में सहायक लेखापाल के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 19-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
पी० एल० दुर्गेल	शाखा निरीक्षक	29-07-1985	6. जनकपुरी, नई दिल्ली में कार्यरत अधिकारी श्री एस० पी० मेहतानी का स्थानांतरण जनकपुरी, नई दिल्ली से शिवनगर, नई दिल्ली में शाखा प्रबन्धक के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 21-10-85 को कार्य ग्रहण कर लिया।
एम० जी० अरोरा	शाखा निरीक्षक	01-08-1985	7. पटियाला में कार्यरत अधिकारी श्री जे० एस० एस्मावादी का स्थानांतरण प्रधान कार्यालय, पटियाला से बंगलौर (मुम्बई) शाखा में शाखा प्रबन्धक के पद पर कर दिया गया है और तदनन्तर ऐसा होने पर दिनांक 29-10-1985 को कार्य ग्रहण कर लिया।
ब्ही० नरसिंह राव	शाखा निरीक्षक	02-08-1985	
प्रणब कुमार राय	शाखा निरीक्षक	05-08-1985	
टी० नरसिंह मुर्ति	शाखा निरीक्षक	12-08-1985	
एच० के० टंडन	शाखा निरीक्षक	13-08-1985	
पी० एल० एन० राव	शाखा निरीक्षक	06-08-1985	
एल० एन० सुश्रमन्यन	शाखा निरीक्षक	16-08-1985	
एस० के० घोष	शाखा निरीक्षक	17-08-1985	
के० के० वर्मा	शाखा निरीक्षक	10-08-1985	
आर० एम० तिवारी	शाखा निरीक्षक	08-08-1985	
ए० एम० कुण्ठ शास्त्री	शाखा निरीक्षक	29-08-1985	
सी० रामस्वामि	शाखा निरीक्षक	04-09-1985	
एस० रामकृष्ण राव	शाखा निरीक्षक	02-09-1985	
के० ए० मधुसूदन राव	शाखा निरीक्षक	03-08-1985	
वाय० पी० गर्ग	शाखा निरीक्षक	11-09-1985	
नाथ मल	शाखा निरीक्षक	24-09-1985	
एम० पी० मामगेन	उप शाखा निरीक्षक	11-06-1985	
पी० एस० सुतार	उप शाखा निरीक्षक	27-07-1985	
एच० कुण्ठन	उप शाखा निरीक्षक	10-07-1985	
शंकर चंदा	उप शाखा निरीक्षक	15-07-1985	
आर० एन० दिक्षित	उप शाखा निरीक्षक	17-07-1985	
जी० लक्ष्मी नरसिंह	उप शाखा निरीक्षक	02-08-1985	
एस० एन० शास्त्री	उप शाखा निरीक्षक	06-08-1985	
इ० छी० कलबंदे	उप शाखा निरीक्षक	21-08-1985	
सेल्हराज इंतिग्रल	उप शाखा निरीक्षक	26-08-1985	
के० सी० विरथा	उप शाखा निरीक्षक	28-08-1985	
के० रामस्वामि	उप शाखा निरीक्षक	03-09-1985	
पी० जासुराधिनम	उप शाखा निरीक्षक	09-09-1985	
आर० एल० भहाजन	उप शाखा निरीक्षक	03-10-1985	
के० एस० पुरोहित मुख्य महाप्रबन्धक (निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा)			

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान
(वेस्टने इण्डिया रिजनल सेकेट्रीयेट)
बम्बई-400005, दिनांक 16 अक्टूबर 1985

सं० ३-इच्छ्य० सी० ए० (८)/५/८५-८६—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (१) इच्छा (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं :

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	सं०		
1.	32317	श्री धरमजीत सिंह, ए० सी० ए०, पालेकर चैंबर्स, पहला माला 12, पहला मरीन रोड, बम्बई-400002।	1-५-१९८५
2.	32721	श्री एच० आर० नासीर ए० सी० ए०, पालेकर चैंबर्स, पहला माला, 12, पहला मरीन रोड, बम्बई-400002।	1-५-१९८५
3.	34225	श्री जे० एस० माहीरे, ए० सी० ए०, 22/१, समाट अशोक को-आपरेटिव हाउसिंग सोनाइटी शैल कालोनी रोड, चैंबूर, बम्बई-400071।	17-८-१९८५
4.	35135	श्री एच० वाई० चन्द्रोकर, ए० सी० ए०, 26, मर्मदा निवास, टोपीवाला वाडी, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-400062।	20-७-१९८५

दिनांक 23 अक्टूबर 1985

सं० ५-इच्छ्य० सी० ए० (५)/७/८५-८६—इस संस्थान की अधिसूचना सं० ३-इच्छ्य० सी० ए० (४)/८३-८४ दिनांक 31-३-1984, ३ इच्छ्य० सी० ए० (४)/३/८२-८३ दिनांक 5-३-1983 के शन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम/1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय

चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थगित कर दिया है :—

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक
सं०	सं०		
1.	12793	श्री जे० एस० ठाकर, एफ० सी० ए०, 10/2, श्रीजी बाग फैट, मवरंगापुरा, अहमदाबाद-380009	2-९-१९८५
2.	32035	श्री एस० वी० झारेगांवकर, ए० सी० ए०; 82/१/वी/३, परवती, डा० देशपांडे बंगलो, गांधी ट्रैनिंग कालेज के सामने, ग्रांन्येश्वर, सहकार नगर, पुना-441009.	9-९-१९८५
3.	32270	श्री वी० एल० संघवी ए० सी० ए०, ए/१७, कृष्णाली, साहेबाबा मंदिर के सामने, एस० वी० रोड, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई-400092.	28-६-१९८४
4.	33053	श्री एल० एन० सोमारकर, ए० सी० ए०, टी-१२, जल दर्शन प्लाट, नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380009.	3-९-१९८५

दिनांक 11 नवम्बर, 1985

सं० ४-इच्छ्य० सी० ए० (४)/४/८५-८६—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिकारी 1949 की घारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र०	सदस्यता	नाम एवं पता	दिनांक	सदस्यता रजिस्टर में निर्मालित सदस्यों का नाम पुनः उभके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है:—
सं०	सं०			
1.	102	श्री डी० एल० भट्ट, वीनुवाई एण्ड कंपनी, 65, महात्मा गांधी रोड, फोटो, बम्बई-400023।	26-7-1985	
2.	2575	श्रीटी० जी० माकानी, 36, सत्यम अपार्टमेंट्स, पांचवां माला, महात्मा गांधी रोड, शास नं० 2, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-400067।	1-12-1983	
3.	34026	श्री एस० एस० अध्यर, बी/17, शांति विल्डिंग, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुंद (पश्चिम), बम्बई-400080।	30-8-1985	
		आर० एल० चोपड़ा, सचिव		
				कामपुर-208001, दिनांक 16 अक्टूबर, 1985
				सं० 5-सी० सी० ए० (5) (6)/85-86—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3 [सी० सी० ए० (4) (2)-83-84 दिनांक 31-3-1984, 4 सी० सी० ए० (1) (5)/80-81 दिनांक 21-3-1981 तथा 4 ई० सी० ए० (11)/79-80 दिनांक 15-3-1980 के सन्दर्भ में चार्टरड प्राप्त सेक्याकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एसड्डारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त सेक्याकार संस्थान परिषद् ने अपने
				ए० सी० ए० (5) (6)/85-86—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3 [सी० सी० ए० (4) (2)-83-84 दिनांक 31-3-1984, 4 सी० सी० ए० (1) (5)/80-81 दिनांक 21-3-1981 तथा 4 ई० सी० ए० (11)/79-80 दिनांक 15-3-1980 के सन्दर्भ में चार्टरड प्राप्त सेक्याकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एसड्डारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त सेक्याकार संस्थान परिषद् ने अपने
				श्री मुकुट बिहारी पारी, ए० सी० ए०, डिप्पुटी जनरल मैनेजर (एकाउंट्स) राजस्थान वित्त निगम, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर।
				श्री विश्व मोहन, ए० सी० ए०, चीफ एकाउन्टेन्ट्स, दि किसान सहकारी चौनी मिल लिं, मोवला, जिला पीलीभीत।
				श्री नरेन्द्र कुमार मोदी, ए० सी० ए०, डी-171-ए, बगु मार्ग, बानी पार्क, जयपुर।
				श्री आस्पी ई० मेहता, ए० सी० ए०, 117/एच० आई०/ 342, माडेल टाउन, पान्डु भगर, कामपुर-208005।
				आर० एल० चोपड़ा सचिव

होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद्

वह विली

होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन) विनियम, 1976

सं० 7-1/83-सी० सी० ए०—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद्, केन्द्रीय सरकार के द्वारानुभोवन से, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त विनियमों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रति:—

1. संक्षिप्त नाम—इन विनियमों का नाम होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन) विनियम, 1976 है।

2. परिभाषा—इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से प्राप्य परीक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59) अनुच्छेद;

- (ब) “परिषद्” से होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अनुच्छेद है;
- (ग) “प्रलेप” से इन विनियमों से उपायद प्रलेप अनुच्छेद है;
- (घ) “सदस्य” से परिषद् का सदस्य अनुच्छेद है;
- (इ) “अध्यक्ष” से परिषद् का अध्यक्ष अनुच्छेद है;
- (च) “रिटायर अधिकारी” से ऐसा कोई अधिकारी अनुच्छेद है जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इन विनियमों के प्रयोगन के लिए इस इम में नियुक्त किया जाए।
- (छ) “उपाध्यक्ष” से परिषद् का उपाध्यक्ष अनुच्छेद है।
- 3. अध्यक्ष का निर्वाचन—(i) निर्वाचन के समय उपस्थित उपर्युक्त घरने में हो कियी हो अध्यक्ष निर्वाचित होंगे।

होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद विनियम

प्रधिकृतना

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1984

सं. 7-1/83-सी०री०एच०—होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद, केन्द्रीय सरकार के दूर्वासुमोदन से, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रथमतः—

1. इन विनियमों का नाम होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद (साधारण) विनियम, 1973 है।

2. इन विनियमों में, जब तक कि संशर्भ से प्रथमा अधिकृत न हो—

(अ) "अधिनियम" से होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) अधिप्रेत है,

(ब) "परिषद" से अधिनियम के अधीन गठित होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिप्रेत है,

(ग) "परिषद" के कर्मचारी से वे अधिकृत अधिप्रेत हैं जो अधिनियम के प्रयोजनों को कियान्वित करने के लिए अधिनियम की धारा 11 के खण्ड (ख) के अधीन नियुक्त किए गए हैं;

(घ) "कार्यकारिणी समिति" या "समिति" से, अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन गठित कार्यकारिणी समिति या समिति अधिप्रेत है;

(ङ) "पूप घ कर्मचारिवृक्ष" के अन्तर्गत ऐसे वक्त्री, जमादार, चपरासी, सौकीदार, आडूकश और हैं जो धारा 11 के खण्ड (अ) के अधीन नियुक्त किए गए हैं;

(अ) "विनीक" से अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त विनीकीय निरीक्षक अधिप्रेत है,

(घ) "सरवस्य" से अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन निर्वाचित या नामनिर्दिष्ट सरवस्य अधिप्रेत है,

(ज) "अनुसंधियों" कर्मचारिवृक्ष से अधिनियम की धारा 11 के खण्ड (ख) के अधीन नियुक्त अध्योक्ष, प्रधान लिपिक, लेखाकार, लिपिक, आशुलिपिक, टाइपिस्ट और गेस्टेनर आपरेटर अधिप्रेत हैं,

(झ) "अध्यक्ष" भारत सरकार के विधि मंत्रालय द्वारा प्रकाशित होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 से "प्रेसिटेन्ट" शब्द के लिए, "अध्यक्ष" शब्द का प्रयोग किया गया है। भ्रतः इसमें "सभायात" शब्द का प्रयोग न करके "अध्यक्ष" शब्द का ही प्रयोग किया गया है से अधिनियम की धारा (2) के अर्थात् परिषद का निर्वाचित या नामनिर्दिष्ट अध्यक्ष अधिप्रेत है,

(अ) "उपाध्यक्ष" से अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन परिषद का निर्वाचित या नामनिर्दिष्ट उपाध्यक्ष अधिप्रेत है,

(ट) "रजिस्ट्रार" या "सचिव" से परिषद का वह रजिस्ट्रार अधिप्रेत है जिने अधिनियम की धारा 11 के खण्ड (क) के अधीन नियुक्त किया गया है और जो परिषद के सचिव के रूप में भी कार्य करता है।

(ठ) "परिषदें (विजिटर)" से अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त परिषदें (विजिटर) अधिप्रेत हैं।

3. परिषद का कार्यालय दिल्ली में स्थित होगा।

भाग 1

परिषद के अधिवेशनों का समय, स्थान और पारमाज करने की तैयारी

4—(1) परिषद के अधिवेशन साधारणतया दिल्ली में या ऐसे अन्य स्थानों और ऐसी तारीखों तथा समय पर होंगे जो परिषद द्वारा विनियित किए जाएं;

परन्तु ग्रन्थालय, निम्नलिखित कार्य करने के लिए, किसी भी समय विशेष अधिवेशन, पद्धति दिन की सूचना देकर, बुला सकता है—

(i) किसी ऐसे ग्रन्थालयक विषय के धारे में कारंसाई करने के लिए, जिस पर परिषद द्वारा ध्यान दिया जाना अपेक्षित हो,

(ii) विनियम 8(1)(अ) में निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए,

(iii) परिषद के कुल सदस्यों में से कम से कम प्राचार प्रतिशत सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित अध्यपैका की जाने पर किसी ऐसे प्रयोजन के लिए, जो परिषद के कार्यक्रम के अन्तर्गत हो किन्तु खण्ड (ii) में निर्दिष्ट न हो।

(2) किसी विशेष अर्थ में किया गया परिषद का प्रयम अधिवेशन, उस अर्थ के लिए परिषद का, वार्षिक अधिवेशन होगा।

5. विनियम 4(1) के परन्तुक में निर्दिष्ट अधिक्षेणों में केवल उसी विषय या उहाँ विषयों पर विचार-विमान किया जाएगा जिस विषय या जिन विषयों पर विचार करने के लिए अधिवेशन बुलाया गया है।

अधिक्षेणों की सूचना

6. (1) विनियम 4(1) के परन्तुक के अधीन या विनियम 8(1)(अ) के प्रथम परन्तुक के अधीन युक्त भेजी जाएंगी किन्तु किसी सूचना के प्राप्त न होने से किसी अधिवेशन की कार्यवाहिया अविभिन्न नहीं होंगी।

(2) परिषद के प्रत्येक अधिक्षेन की सूचना डाक में हाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन भेजी जाएंगी किन्तु किसी सूचना के प्राप्त न होने से किसी अधिवेशन की कार्यवाहिया अविभिन्न नहीं होंगी।

कार्यसूची के कागज-पत्र

7.(1) सचिव अधिवेशन की सूचना के साथ प्रारम्भिक कार्यसूची के कागज-पत्र जारी करेगा जिसमें अधिवेशन में किया जाने वाला कामकाज और उन सभी प्रस्तावों की विषयस्तु, जिनको प्रस्तुत करने की सूचना लिखित रूप में उसके पास पढ़ने पहुँच चुकी है, तथा प्रस्तावों के नाम दर्शात किए जाएंगे।

(2) यदि कोई सदस्य ऐसा कोई प्रस्ताव भेजा करना चाहता है जो प्रारम्भिक कार्यसूची के कागज-पत्र में सम्मिलित नहीं है या ऐसे कागज-पत्र में सम्मिलित किसी भव भव में कोई संशोधन करने का प्रस्ताव करना चाहता है तो वह सचिव जो उसकी सूचना अधिवेशन के नियत तारीख से कम से कम पूरे 15 दिन पहुँचे देगा।

(3) सचिव अधिवेशन के लिए नियत तारीख से कम से कम पूरे 15 दिन पहुँचे और विशेष अधिवेशन वो दशा में अधिवेशन की सूचना के साथ, पूरी कार्यसूची के कागज-पत्र जारी करेगा जिसमें वह विशेष होगा कि अधिवेशन में क्या काम किया जाएगा।

(4) यदि कोई सदस्य पूर्ण कार्यकृती के कागजपत्र में समिलित किसी ऐसी भव में संशोधन पेश करना चाहता है जो प्रारम्भिक कार्यकृती के कागजपत्र में समिलित नहीं है तो वह उसकी सूचना संविवर को अधिवेशन के लिए नियत संघीय से कम से कम पूरे 3 दिन पहले देगा।

(5) यदि समय मिले तो संविवर उन सभी संशोधनों की सूची, जिनकी सूचना खण्ड (4) के अधीन दी गई है, प्रत्येक सदस्य को, उसके उपयोग के लिए उपलब्ध कराएगा:

परन्तु यदि परिषद् राहमत हो तो अध्यक्ष अधिवेशन में किसी ऐसे प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने की अनुमति इस तथ्य के होते हुए भी दे सकता है कि ऐसे प्रस्ताव की सूचना इसने विलेप से दी गई कि इस विनियम का पालन नहीं हो पाया है:

परन्तु यह और कि इस विनियम की कोई बात, विशेष परिस्थितियों में कार्रकारिणी समिनि द्वारा किसी विगेष का निर्देश परिषद् के समक्ष उसके किसी ऐसे अधिवेशन में करने पर योक नहीं क्षमाता है जो इस विनियम के अधीन अद्वितीय सूचना की अनुमति देने के लिए कार्रकारिणी समिति के अधिवेशन के पालन सुन्नत या अतिथीप्रवास हो।

प्रस्ताव की ग्राह्यता

8. (1) अध्यक्ष किसी प्रस्ताव को निम्नलिखित परिस्थितियों में नामंजूर करेगा:-

- (क) यदि प्रस्ताव किसी ऐसे विषय के सम्बन्ध में है जो परिषद् के कार्यक्रम के अन्तर्गत नहीं है,
- (ख) यदि प्रस्ताव में सारभूत रूप से उसी प्रश्न की प्रस्ताव या संशोधन के रूप में उठाया गया है जो उस अधिवेशन की सारीख से जिसमें ऐसा प्रश्न पेश किया जाता है, तिनमें एक वर्ष के अन्दर परिषद् की इजाजत से पेश किया जा चुका है या वापस ले लिया गया है;

परन्तु ऐसे प्रस्ताव को परिषद् के ऐसे विशेष अधिवेशन में प्रहृण किया जा सकता है जो परिषद् के सदस्यों में से कम से कम दो तिहाई सदस्यों की अध्योक्ष पर इस प्रयोजन के लिए बुलाया गया हो,

परन्तु यह और कि इन विनियमों को कोई बात किसी ऐसे विषय पर प्राप्त विचार-विमर्श किए जाने को प्रतिपिछु नहीं करती है किंतु परिषद् को केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम के प्रधान प्राप्ति किसी कृत्य का प्रयोग करते हुए, निर्देशित किया है।

- (ग) यदि प्रस्ताव में कोई निपित्त विवादिक स्पष्ट रूप से और ठीक-ठीक अधिवेशन न किया गया हो और सारभूत रूप से उठाया न गया हो;

- (घ) यदि प्रस्ताव में तर्क, निपक्ष, व्यंगोवित सांछन या मान हानिकारक कथन हों :

परन्तु यदि संशोधन करने वे प्रस्ताव ग्राह्य हो जाता है तो अध्यक्ष उस प्रस्ताव को नामंजूर करने की बजाए उसे संशोधित रूप में प्रहृण कर सकता है।

(2) यदि अध्यक्ष किसी प्रस्ताव या नामंजूर या संशोधित कर देता है तो सचिव उस सदस्य को, जिसने प्रस्ताव की सूचना दी थी, द्यावित्ति, उस प्रस्ताव की नामंजूरी के आदेश को या तिरांगा द्वारा द्यावित्ति रूप में वह प्रस्ताव प्रहृण किया गया है उस रूप की, जानकारी देगा।

आग 2

परिषद् के अधिवेशनों में कामकाज का संवाद

9. (1) परिषद् के प्रत्येक अधिवेशन की अवधारणा, अवश्य करेगा या यदि वह अनुपस्थित है तो उपाध्यक्ष करेगा या यदि अध्यक्ष और

उपाध्यक्ष दोनों ही अनुपस्थित हैं तो सफलता सदस्यों द्वारा अपनों में से निर्वाचित अध्यक्ष करेगा।

(2) इस भाग में अध्यक्ष के प्रति किए गए सभी निर्देश, उस अधिवेशन के प्रति निर्देश समझे जाएंगे जो उस समय अधिवेशन की अध्यक्षता करता है।

10. यदि अधिवेशन के लिए नियत समय पर गणपूर्ति नहीं होती है तो अधिवेशन तब तक प्रारम्भ नहीं होगा जब तक कि गणपूर्ति नहीं हो जाती और यदि उस अधिवेशन के लिए नियत समय से तो समिनट समाप्त होने पर या किसी अधिवेशन के द्वारा गणपूर्ति नहीं होती रहती है तो अधिवेशन अवधित में ऐसे समय प्राप्त तारीख के लिए स्थगित हो सकता है जो अध्यक्ष नियत करे। केन्द्रीय परिषद के कुल सदस्यों में से एक तिहाई सदस्यों से गणपूर्ति होगी।

11(1) परिषद् द्वारा अवधारणा, किसी सदस्य द्वारा प्रस्ताव पेश किए जाने और उसे अध्यक्ष द्वारा परिषद् के समक्ष रखे जाने पर, किया जाएगा।

(2) मत हाथ उठाकर या विभाजन द्वारा या मतपत्र (बैलट) द्वारा, जैसा ही अध्यक्ष निर्देश करे, लिए जाएँगे :

परन्तु मतपत्र (बैलट) द्वारा मत हाथी लिए जाएँगे जब तीन सदस्य ऐसा करने की ओर और उसकी मांग करें।

परन्तु यह और कि यदि मतदान हाथ उठाकर किया जाता है तो विभाजन उसी दशा में किया जाएगा जब कम से कम एक सदस्य उसकी मांग करे।

(3) अध्यक्ष विभाजन द्वारा मत लेने की पद्धति अवधारणा करेगा

(4) अध्यक्ष मतदान के परिणाम की घोषणा करेगा और वह अस्तित्व होगा।

(5) मत बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का द्वितीय या निर्णयिक मत होगा।

12. जब एक ही तात्पर्य के समान प्रस्ताव दो या दो से अधिक सदस्यों के नाम से हो तब अध्यक्ष यह विनिश्चय करेगा कि किसका प्रस्ताव पेश किया जाएगा। और तत्प्रत्यक्षता अन्य प्रस्ताव या प्रस्तावों को वापस ले लिया गया समझा जाएगा।

13.(1) प्रत्येक प्रस्ताव या संशोधन का अनुमोदन आवश्यक है और यदि उसका अनुमोदन नहीं किया जाता है तो वह वापस ले लिया गया समझा जाएगा।

(2) जब प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया जाता है तो उसका कथन अध्यक्ष करेगा।

(3) जब प्रस्ताव का इस प्रकार से वर्तन कर दिया जाता है तब उस पर इस प्रश्न का निश्चय करने के लिए विचार-विमर्श किया जा सकता है कि उसे स्वीकार किया जाए या अस्वीकार किया जाए। अध्यक्ष कोई सदस्य उस प्रस्ताव में, विनियम 14 और 15 के प्रधान, संशोधन पेश कर सकता है;

परन्तु अध्यक्ष किसी ऐसे संशोधन को पेश करने की अनुमति नहीं किया जाएगा जो मूल प्रस्ताव होने की दशा में, विनियम 5 के अधीन अवाहृय होता

14.(1) किसी प्रस्ताव में संशोधन, ऐसे प्रस्ताव से सुमंगल और उसके प्रविधिय के अन्तर्गत होना चाहिए।

(2) ऐसा संशोधन पेश नहीं किया जा सकता जिसका प्रधान कथन नकारात्मक मत (बोट) प्राप्त करना हो।

(3) अध्यक्ष ऐसे किसी संशोधन को, जो उसकी राय में तुच्छ है, परिषद के समक्ष रखने से इकार कर सकता है।

15. किसी प्रस्ताव का संशोधन निम्नलिखित रूप से किया जा सकता है :-

- (क) प्रस्ताव में कोई धारा या संघर्ष को निकाल कर, अन्य स्थापित कर या जोड़ कर,
- (ब) मूल संघर्षों के स्थान पर किसी भव्य भावों को रख कर।

16. जिस समय किसी प्रस्ताव या संशोधन पर विचार विमर्श हो रहा हो उस समय उसके सम्बन्ध में किसी भी ऐसे संशोधन के प्रस्ताव का उल्लेख नहीं किया जाएगा जो निम्नलिखित से मिल हो :-

- (क) यथास्थिति, किसी प्रस्ताव या संशोधन का ऐसा संशोधन जैसा कि विनियम 13 में प्रस्तावित है,
- (ब) किसी प्रस्ताव या संशोधन पर विचार विमर्श को किसी निर्दिष्ट तारीख और समय या अनिवार्य काल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव,
- (ग) विचार विमर्श समाप्त करने के लिए प्रस्ताव प्रथात् यह प्रस्ताव कि धर्व प्रश्न पर मतदान कराया जाए,
- (घ) यह प्रस्ताव कि परिवद् जिस प्रस्ताव पर विचार विमर्श कर रही है उस पर विचार करने की बजाए कार्यक्रम की प्रगती मव पर विचार किया जाए :-

परन्तु ऐसा कोई प्रस्ताव या संशोधन पेश नहीं किया जाएगा जिसके ही एसे भाषण में बाधा पड़े,

परन्तु यह और कि कोई ऐसा सदस्य, जो प्रश्न के बारे में अधिकार के समझ पहले ही बोल चुका है, उर्ध्वरूप छाप (ब), (ग) (घ) में निर्दिष्ट स्वरूप का कोई प्रस्ताव पेश नहीं करेगा :

परन्तु यह भी कि छाप (ग) और (घ) में निर्दिष्ट प्रस्ताव विनायक भाषण के पेश किया जाएगा ।

(2) अध्यक्ष को यह विवेकाधिकार होगा कि वह उपनियम (1) के छाप (घ) में निर्दिष्ट स्वरूप का प्रस्ताव परिवद के समझ एवं रखने से इकार करे ।

(3) यदि अध्यक्ष की यह राय है कि विचार-विमर्श समाप्त करने का प्रस्ताव उचित विचार-विमर्श करने के अधिकार का दृष्टियोग नहीं है तो वह तत्काल यह प्रस्ताव रखेगा कि धर्व प्रश्न पर मतदान कराया जाए और यदि उसका यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो जिस मूल प्रस्ताव या संशोधन पर विचार विमर्श हो रहा है वह तत्काल रखा जाएगा ।

परन्तु अध्यक्ष विचार-विमर्श किए जा रहे मूल प्रस्ताव को रखने से पहले उसके प्रस्तावक को उत्तर देने के उसके अधिकार का प्रयोग करने की अनुमति दे सकता है ।

17. ऐसा कोई प्रस्ताव या संशोधन, जो पेश और अनुमोदित किया गया है, परिवद की इजाजत के सिवाय बाहर सभी लिया जाएगा किन्तु यदि कोई सदस्य यह इजाजत देने से विस्मयता प्रकट करता है तो इजाजत दी गई नहीं समझी जाएगी ।

18. यदि प्रस्ताव पेश और अनुमोदित कर दिया जाता है तो प्रस्तावक और अनुमोदक से मिल सदस्य प्रस्ताव के बारे में उस कम के अनुसार बोल सकते हैं जैसा अध्यक्ष निवेदा करे :

परन्तु प्रस्ताव या संशोधन का अनुमोदक, अध्यक्ष की अनुमति से, अपने भाषण को यथास्थिति प्रस्ताव या संशोधन का केवल अनुमोदन करने के लिए योग्यता देता है और विचार-विमर्श के किसी प्रबातबाटे प्रक्रम पर उसके बारे में बोल सकता है ।

19. अधिकार के द्वारा अध्यक्ष किसी भी समय विचार-विमर्श में सदस्यों की सहायतार्थ, किसी मव की स्पाल्या करने के लिए कोई

प्राप्ति नहीं सहता है या कोई सुझाव जारी या जानकारी दे सकता है ।

20. (1) मूल प्रस्ताव के प्रस्तावक को भी यदि अध्यक्ष किसी संशोधन के प्रस्तावक को अनुमति दे दी है तो उसे, अन्तिम उत्तर देने का अधिकार प्राप्त होगा, कोई भी अन्य सदस्य किसी विचार-विमर्श में जिओ स्वाक्षरीकरण देने या उस समय परिवद को संशोधित करने वाले सदस्य से प्रश्न पूछते के प्रयोजन के लिए अध्यक्ष की अनुमति ही एक से अधिक बार बोलेगा, अन्यथा नहीं;

परन्तु कोई सदस्य विचार-विमर्श के किसी प्रश्न पर कोई आपत्ति देता सकता है किन्तु उस मुद्दे पर कोई भाषण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ;

परन्तु यह और कि कोई ऐसा सदस्य, जो प्रस्ताव के बारे में बोल चुका है, उस प्रस्ताव में पेश किए गए संशोधन के बारे में फिर से बोल सकता है ।

(2) कोई भी सदस्य, अध्यक्ष की अनुमति के सिवाय पांच मिनट से अधिक नहीं बोलेगा,

परन्तु प्रस्ताव पेश करने वाला प्रस्तावक अपना प्रस्ताव पेश करते समय वह बात तक सकता है ।

(3) यह प्रस्ताव या संशोधन पर भाषण किया जाता है यह निवार ही उसके विषय वस्तु तक सीमित रहेगा ।

(4) यदि यह सदस्य, जिसके नाम से कोई प्रस्ताव या संशोधन पेश किया जाने वाला है, अधिकार में अनुपस्थित है या उसे पेश करने का इच्छुक नहीं है तो कोई दूसरा सदस्य भी अनुमति से उसे पेश कर सकता है ।

21. (1) कोई सदस्य, जो परिवद के समझ किसी विषय के बारे में कोई टीका टिप्पणी करना चाहता है, अपने स्थान से उठेगा और अध्यक्ष को संबोधित करेगा ।

(2) यदि अध्यक्ष किसी समय लड़ा हो जाता है तो वो सदस्य उस समय बोल रहा है यह तूरत अपने स्थान पर बैठ जाएगा ।

22. सदस्य को परिवद के समझ कामकाज के बारे में ही सुना जाएगा अन्यथा नहीं ।

23. (1) यदि किसी प्रस्ताव में संशोधन पेश और अनुमोदित किया जाता है या जब इस प्रकार के दो या दो से अधिक संशोधन पेश और अनुमोदित किए दिये जाते हैं तब अध्यक्ष उनके बारे में परिवद की राय जानने से पहले परिवद के समझ मूल प्रस्ताव और प्रस्तावित संशोधन और या संशोधनों का कथन करेगा या उन्हें पढ़ कर सुनाएगा ।

(2) प्रस्ताव के संशोधन पर पहले मतदान कराया जाएगा ।

(3) यदि प्रस्ताव में एक या एक से अधिक संशोधन पेश किए गए हैं तो अध्यक्ष यह विनियम करेगा कि किस क्रम से उन पर विचार किया जाए ।

24. यदि किसी द्वेष प्रस्ताव पर जिसमें अनेक मुद्दे हैं, विचार-विमर्श किया जा चुका है तब अध्यक्ष को यह विवेकाधिकार होगा कि वह प्रस्ताव को विभाजित करे और प्रथमेक या किसी मुद्दे को मतदान के लिए ऐसे प्रश्न अलग अलग रूप में रखे जाएं कि वह टीका समझे ।

25. (1) यदि अध्यक्ष प्रथमेकताम्बों के कारण आवश्यक समझता है तो वह किसी समझ किसी अधिकारेण या अधिक्षय में किसी दिन के लिए या जिस दिन अधिकारेण होने वाला है उसी दिन किसी अन्य समय के लिए स्थगित कर सकता है और उसके लिए कारणों का कथन कर सकता है ।

(2) जब कभी कोई अधिवेशन भविष्य में किसी दिन के लिए स्थगित किया जाता है तब, यदि समझ रही हो तो, सचिव उसके स्थगन की सुचना ऐसे प्रत्येक सदस्य को भेजेगा जो ऐसे अधिवेशन में उपस्थित नहीं था।

(3) जब अधिवेशन भविष्य में किसी दिन के लिए स्थगित हो गया है तब अध्यक्ष विवाद करने वाले कारणों से ऐसे अधिवेशन का दिन पुनः परिवर्तित कर सकता है और सचिव प्रत्येक सदस्य को ऐसे परिवर्तन की लिखित सुचना भेजेगा।

(4) भविष्य में किसी दिन के लिए स्थगित अधिवेशन में किसी ऐसे प्रस्तावकों, जो विचार किए जाने के लिए पूछवती दिन से लम्बित हैं, कार्यक्रम के अन्य विषयों पर ग्राम्यकाता दी जाएगी किन्तु तब नहीं जब कि अध्यक्ष अन्यथा निर्देश दे।

(5) अध्यक्ष या कोई सदस्य या तो अधिवेशन प्रारम्भ होने के समय या अधिवेशन के दौरान किसी विषेष मद पर विचार विमर्श समाप्त हो जाने के पश्चात, कामकाज के कार्यक्रम में किसी परिवर्तन का सुझाव दे सकता है और यदि परिवद् इससे सहमत होती है तो ऐसा परिवर्तन कर दिया जाएगा।

(6) स्थगित अधिवेशन में किसी ऐसे विषय पर विचार विमर्श नहीं किया जायगा जो मूल अधिवेशन के कार्यक्रम में नहीं था।

(7) स्थगित अधिवेशन के लिए वही गणतान्त्रिक आवश्यक होगी जो अधिवेशन के लिए आवश्यक है।

26. (1) अध्यक्ष आपत्ति के उन सभी मृद्दों के बारे में विनिश्चय करेगा जो उठाए जाएं और उसका विनिश्चय अनित्य होगा।

(2) यदि कोई प्रश्न किसी ऐसे विषय से राग्वन्धित प्रतिक्षय के बारे में उठता है जिसके लिए विनियमों में कोई उपबन्ध नहीं है तो अध्यक्ष उसका विनिश्चय करेगा और उसका विनिश्चय अनित्य होगा।

(3) अध्यक्ष किसी ऐसे जामकाज के बारे में, जिस पर विचार और विनिश्चय करना, परिवद् या कार्यकारिणी समिति के लिए, आवश्यक हो, यह निर्देश देगा कि वह कामकाज परिवद् या कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के द्वारा परिषक्त परिचालित करके दिया जाएगा।

परन्तु यदि, यथास्थिति, परिवद् के बास सदस्य या कार्यकारिणी समिति के तीन सदस्य यह चाहते हैं कि किसी विशेष विषय या विनिश्चय परिवालन की बजाए अधिवेशन में किया जाए तो वह विषय केन्द्रीय परिवद् या कार्यकारिणी समिति के अधिवेशन में रखा जाएगा।

(4) यदि कोई संकल्प या रिपोर्ट उपर्युक्त रूप में परिचालित की जाती है और उस पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों में से बहु-संस्थायक सदस्यों ने उसे अनुमोदित कर दिया है तो वह उसी प्रकार आवश्यक होगा जिस प्रकार कि परिवद् या कार्यकारिणी समिति के अधिवेशन में पारित किया गया कोई संकल्प होता है।

27. अध्यक्ष के विवेकानुसार प्रेस के नार प्रतिनिधियों को और अन्य परिवर्तकों जो किसी एक समय पर नार से अधिक न हों, सचिव से प्राप्त अनुभाप्त (परिमिट) प्रस्तुत करने पर अधिवेशन में प्रवेश करने दिया जा सकता है। प्रेस के प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे कार्यवाहियों की अपनी रिपोर्ट के प्रकाशन के बारे में सचिव का पुर्वानुमोदन प्राप्त करें। अध्यक्ष किसी भी समय बाह्य कामों में अधिवेशन कर सकता है और ऐसी दशा में सभी परिवर्तकों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे यहाँ से चले जाएं।

भाग—3

परिवद् का कार्यवृत्

28. परिवद् के अधिवेशनों की कार्यवाहियाँ मुद्रित कार्यवृत् के रूप में परिवर्तित की जाएंगी जो पुस्तिकरण के पश्चात अध्यक्ष के हस्ताक्षर से अनुप्रमाणित की जाएंगी।

29. प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत् की एक प्रति अधिवेशन हो जाने के पश्चात् से वह दिन के अन्तर अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और वह उसे अनुप्रमाणित करेगा और तब उसकी प्रतियाँ प्रत्येक सदस्य को अधिवेशन हो जाने के पश्चात् से तीस दिन के अन्तर भेजी जायेगी।

30. प्रत्येक अधिवेशन के कार्यवृत् में ऐसे प्रस्तावों और अंशोंकों को, उनके प्रस्तावकों और अनुमोदकों के नाम सहित सम्मिलित किया जाएगा जो पेश और पारित या अस्वीकृत किए गए हों किन्तु उनमें न तो ऐसी कोई आलोचना होगी और न किसी ऐसी टीका-टिप्पणी का अभिलेख होगा जो अधिवेशन में किसी सदस्य द्वारा की हो।

31. यदि कार्यवृत् की शुद्धता के बारे में कोई आपत्ति, सचिव द्वारा उसके बीचे जाने के तीस दिन के अन्तर, प्राप्त होती है तो तथा यथा अस्तित्वित और अनुप्रमाणित कार्यवृत् के साथ वह आपत्ति, परिवद् के आगामी अधिवेशन के प्रस्तुतिकरण के लिए रखी जाएगी।

परन्तु यदि अधिवेशन में परिवद् द्वारा किए गए किसी विनिश्चय के बारे में कोई आपत्ति सचिव द्वारा ऐसे विशेष अधिवेशन के कार्यवृत् के बीचे जाने के तीस दिन के प्रस्तुत, प्राप्त नहीं होती है तो ऐसे विनिश्चय को आगामी अधिवेशन में कार्यवृत् के प्रस्तुतिकरण से पहले उस वशा में लागू किया जा सकता है जब ऐसा करना समीचीन है।

परन्तु यह और कि अध्यक्ष यह निवेश दे सकता है कि परिवद् के विनिश्चय पर कार्यवाई उपर्युक्त तीस दिन की अवधि अवसान होने से पहले की जाए।

32. प्रस्तुतिकरण के पश्चात् परिवद् का कार्यवृत् यथासाध्य शीघ्रता से शीर्षों में तैयार किया जाएगा और उसे क्रमानुसार पुष्टिकृत किया जाएगा जिससे कि वे उस जिल्द में रखी जा सके जो स्थायी रूप से परिवर्तित को जाएंगी। परिवद् के प्रत्येक सदस्य को ऐसी जिल्द की एक प्रति मुफ्त दी जाएगी और जनता को ऐसी प्रतियाँ उतनी कीमत पर विक्री की जाएंगी जो परिवद् द्वारा तथा यह की जाए।

33. परिवद् के अधिवेशनों में किए गए विचार विमर्श और टीका-टिप्पणी की रिपोर्ट परिवद् के सदस्यों के लिए यथासम्बन्ध सही रूप से रखी जाएगी। अधिवेशनों की श्रृंखला कार्यवाहियों जो, गोपनीय मानी जाएंगी, कार्यवाहियों में रखी जाएंगी और सदस्यों को निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगी। कार्यवाहियों की पूर्ण या भाँशिक रूप में प्रति किसी ऐसे सदस्य को दी जाएगी जो उसके लिए आवेदन करे। ऐसी प्रति "गोपनीय" होगी और नियत राशि का भुगतान करने पर अध्यक्ष द्वारा दी जाएगी और ऐसी राशि प्रतिलिपि तैयार करने के बारे से अधिक नहीं होगी — अन्य करने में ही कार्यवाहियों की कोई प्रति नहीं दी जाएगी किन्तु सदस्य ऐसी कार्यवाहियों का निरीक्षण कर सकते हैं।

भाग 4

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य

34. अध्यक्ष ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो अधिनियम के उपबन्धों, विनियमों और परिवद् के स्थायी आवेदनों में लिए गए हैं, वह ऐसे कार्य करेगा जो वह उन उद्देश्यों को प्रगत्सर करने के लिए आवश्यक समझे जिनके लिए परिवद् की स्थापना की गई है।

अध्यक्ष अध्यावश्यक वापाओं में यथावश्यक कार्यवाई कर सकता है और इस तथ्य की इस्तिता कार्यकारिणी समिति तथा परिवद् को देसकता है, परन्तु ऐसे मामलों में, जो व्यापक नीति या सिद्धान्त के हों या जिनके लिए मंजूर किए गए हैं, वह ऐसे कार्य करेगा जो वह उन उद्देश्यों को प्रगत्सर करने के लिए आवश्यक समझे जिनके लिए परिवद् की स्थापना की गई है।

35. यदि अध्यक्ष का पद रिक्त है या यदि वह अपने पद की शक्तियों का प्रयोग या कर्तव्यों का पालन करने में किसी कारणवश असमर्थ है तो उसके स्थान पर उपाध्यक्ष कार्य करेगा तथा अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग और उसके कर्तव्यों का पालन करेगा।

भाग 5

पद स्थान और आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना

36. यदि कोई सदस्य परिषद में अपने स्थान का स्थान करना चाहता है तो वह लिखित रूप में अपना स्थानापत्र उसके द्वारा इस निमित्त विनिविष्ट तारीख से या अध्यक्ष को उसका पत्र प्राप्त होने की तारीख से, इनमें जो भी पश्चात्वर्ती तारीख हो, सम्बुद्ध सदस्य द्वारा पुष्टिकरण के पश्चात्, प्रभावी होगा।

37. यदि किसी सदस्य की मृत्यु या उसके पदव्याप के कारण आकस्मिक रिक्ति होती है तो अध्यक्ष तत्काल इसकी रिपोर्ट आवश्यक कार्रवाई करने के लिए, केंद्रीय सरकार को करेगा।

भाग 6

कार्यकारिणी समिति—उसके कृत्य, अधिवेशन आदि

38. कार्यकारिणी समिति के अधिवेशन साधारणतया उन्हीं विनियमों द्वारा शासित होते जो उपरिषद् के अधिवेशनों को लागू होते हैं।

39. यदि कार्यकारिणी समिति के अधिवेशन के लिए नियत समय पर गणपूर्ति नहीं होती है तो वह अधिवेशन तब तक प्रारम्भ नहीं होगा जब तक कि गणपूर्ति नहीं हो जाती और यदि अधिवेशन के लिए नियत समय से एक घंटे का अवधान होने पर या किसी अधिवेशन के दौरान गणपूर्ति नहीं होती रहती ऐसी तो अधिवेशन अवधिय में ऐसी तारीख और समय के लिए स्थगित हो जाएगा जो अध्यक्ष नियत करे। कार्यकारिणी समिति के कुल सदस्यों में से एक तिहाई से गणपूर्ति होगी।

40. यदि अध्यक्ष, और उपाध्यक्ष दोनों प्रनुपरिषत्त हैं तो उपरिषत् सदस्य, ऐसे सदस्यों में से किसी एक को अध्यक्ष के स्पष्ट में कार्य करने के लिए निर्वाचित करें।

41. जब यदि कार्यकारिणी समिति का अधिवेशन गणपूर्ति कभी के कारण स्थगित किया जाता है तो स्थगित अधिवेशन के लिए कोई गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

42. (1) कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य की पदावधि उसके निर्वाचन की तारीख से हाई बर्ज के लिए अग्रली कार्यकारिणी समिति के निर्वाचन के पश्चात् कार्यकारिणी समिति द्वारा कार्यभार प्रहण कर लिए जाने तक, इनमें से जो भी पश्चात्वर्ती हो, होगी।

इसमें किसी बात के होने हुए भी, कार्यकारिणी समिति उस परिषद् का पर्यवसान हो जाने पर, जिसने उस समिति को निर्वाचित किया है, कृत्यशील नहीं रहेगी, भले ही परिषद् का पर्यवसान किसी कारणों से हुआ हो।

(2) कार्यकारिणी समिति का सदस्य पुनः निर्वाचित होने का पात्र होगा।

43. कार्यकारिणी समिति, परिषद् के किसी ऐसे सदस्य को, जो कार्यकारिणी समिति का सदस्य नहीं है कार्यकारिणी समिति के किसी अधिवेशन में उपरिषित रहने के लिए आमत्रित कर सकती है। इस प्रकार आमंत्रित सदस्य को कार्यकारिणी समिति द्वारा विचार विमर्श में भाग लेने की स्वतंत्रता होगी किन्तु उसे भाग लाना का अधिकार नहीं होगा।

44. परिषद् का अधिवेशन होने से पहले एक सप्ताह के अन्तर कार्यकारिणी समिति साधारणतया भपना अधिवेशन उसी स्थान पर करेंगी जिस स्थान पर परिषद् का अधिवेशन होने वाला है। कार्यकारिणी समिति

के इन्य अधिवेशन ऐसे अन्य समयों और अन्य स्थानों पर हो सकते हैं जो अध्यक्ष अवधारित करे।

कार्यकारिणी समिति के ऐसे अधिवेशनों की सूचना और कार्यसूची अधिवेशन होने से कम से कम बारह दिन पहले साधारणतया दी जाएगी।

45. कार्यकारिणी समिति किन्तु ऐसे विषयों से संबंधित रिपोर्ट पर विचार करेगी जिन्हें परिषद् या अध्यक्ष ने निर्देशित किया है।

46. कार्यकारिणी समिति पाठ्यक्रम तथा शिक्षण और परीक्षाओं की सुविधाओं से संबंधित ऐसी रिपोर्टों पर विचार करेगी जो निरीक्षकों परिदृश्यों द्वारा प्रस्तुत की गई हों और तब तक एक रिपोर्ट परिषद् के समझ प्रस्तुत किए जाने के लिए तैयार करेगी।

47. कार्यकारिणी समिति परिषद् के विनियमों को कार्यान्वयित करने में परिषद् की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगी और उसे अन्य समितियों के कार्यक्रम के प्रत्यंगत आने वाले विषयों को छोड़कर, अन्य सभी विषयों के बारे में परिषद् की ओर से विनियम अन्तर्गत होनी शक्ति होगी। वह परिषद् के उन सभी कृत्यों का पालन करेगी जो प्रशासनिक प्रक्रिया के हों।

परन्तु यह ऐसे विषयों को लागू नहीं होगा जो व्यापक नीति या सिद्धांत के हों या जिनके लिए परिषद् के मंजूर किए गए ब्रजट उपबन्ध में से प्रति वर्ष पछीस हजार रुपये से अधिक व्यय होना हो।

48. कार्यकारिणी समिति के प्रयोग अधिवेशन के कार्यवृत्त की एक-एक प्रति अधिवेशन हो जाने के विन से प्रत्यह दिन के अन्तर अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाएगी और उसके द्वारा अनुप्रयापित कर दी जाने के पश्चात् प्रत्येक सदस्य को, अधिवेशन हो जाने के विन से बीस दिन के अन्तर भेज दी जाएगी।

परन्तु अध्यक्ष यह निवेदन दे सकता है कि कार्यकारिणी समिति के विनियम पर कार्रवाई, उपर्युक्त प्रत्यह दिन की अवधि का अवसान होने से पहले की जाए।

भाग 7

समितियाँ

49. (1) परिषद् निम्नलिखित समितियों में से किसी समिति या सभी समितियों का गठन इस आशय का प्रस्ताव पारित कर दिये जाने पर, किसी भी समय कर सकती है, अर्यात्-

- (क) शिक्षा समिति;
- (ख) विनियम समिति;
- (ग) वित्त समिति;
- (घ) रजिस्ट्रीकरण समिति; और
- (ज) सम्पर्क समिति।

(2) प्रत्येक समिति की शक्तियाँ और उसके हृत्य तथा सदस्यों की संख्या, उस समिति के गठन के समय अवधारित की जाएंगी और जब तक कि परिषद् अन्यथा विनिविष्ट न करे, प्रत्येक समिति को, उन कृत्यों के जो उसे सौंपे गए हैं, जोक्यों के अंतर्गत आने वाले विषयों के बारे में विनियम फरने की पूर्ण शक्ति प्राप्त होगी :

परन्तु उसके विनियम निम्नलिखित मामलों में, परिषद् के प्रत्येक समिति के प्रधीन होंगे अर्थात् :-

- (i) जब व्यापक नीति के विषय प्रस्तावित होंगी;

(ii) जब समिति के विनियम से ऐसी मदों पर उतना व्यय होना हो जो मंजुर किए गए बजट से प्रतिवर्ष एक हजार रुपए से अधिक हो।

(iii) जब अधिनियम के उपबन्धों, विनियमों या परिषद् के स्थायी आदेशों के अनुसार परिषद् के आदेश का होना आवश्यक हो।

(3) इन समितियों में से प्रत्येक समिति के चैयरमैन का निवालन उसी समिति के सदस्यों द्वारा किया जाएगा।

(4) यदि समिति गठित की जाने के लिए प्रस्ताव पारित किया जाता है तो प्रस्तावक समिति में सदस्य के रूप में नियुक्त किए जाने वाले सदस्यों के नाम बताएगा और तब कोई सदस्य अन्य नामों को जोड़ने का प्रस्ताव करते हुए संशोधन पेश कर सकता है।

(5) यदि समिति के सदस्यों के रूप में प्रस्ताव वित्त सदस्यों की संख्या उन सदस्यों की कुल संख्या से अधिक नहीं है तो जिनसे समिति का गठन होना है तो इस प्रकार प्रस्तावित सदस्य समिति के सदस्य के रूप में, नियुक्त किए जाएंगे। यदि इस प्रकार प्रस्तावित सदस्यों की संख्या उन सदस्यों की संख्या से अधिक है, जिससे समिति का गठन होता है तो मतदान कराया जाएगा और अपेक्षित संख्या में सदस्यों को जिनको अधिकतम संख्या में मत प्राप्त होते हैं, नियुक्त किया जाएगा।

50. (1) परिषद् किसी अन्य समिति का गठन इस आशय का प्रस्ताव पारित हो जाने पर, किसी भी समय कर सकती है।

(2) किसी समिति का गठन करने के प्रस्ताव में उस समिति के कृत्य और उसकी शक्तियां तथा उसके सदस्यों की संख्या परिनियत की जाएंगी।

(3) कोई सदस्य उपर्युक्त प्रस्ताव में ऐसा कोई संशोधन सूचना दिए बिना पेश कर सकता है जिसमें उसके द्वारा यह प्रस्तावित होता है कि समिति के कृत्य और शक्तियां या "उसके सदस्यों की संख्या बढ़ायी या घटायी जाए।"

51. (1) समिति की कार्यवाहियों का संचालन भाग 1 में दिए गए विनियमों के अनुसार किया जाएगा परन्तु ऐसे विनियमों को, चैयरमैन के विवेकानुसार, किसी भी समय शिखिल किया जा सकता है।

(2) किसी ऐसे संकल्पको, जिसे परिषद् द्वारा गठित समिति ने पारित किया है उन रिपोर्ट में सम्मिलित किया जाएगा जिससे अध्यक्ष के विवेकानुसार उसने स्थायी सचिव ने तैयार की हो और जब समिति के सदस्य उस पर हस्ताक्षर कर देते हैं तब वह विस्मिति के किसी टिप्पणी (नोट) सहित, परिषद् के समक्ष उसके अगले अधिकारेशन में प्रस्तुत की जाएगी किन्तु ऐसा प्रस्तुत किया जाना सूचना संबंधी विनियमों के उपबन्धों के अधीन होगा।

52. (1) प्रत्येक समिति के सदस्यों की संख्या साक्षात्कार तथा सात से अधिक नहीं होती।

(2) परिषद् का कोई भी सदस्य, दो से अधिक समितियों के लिए निर्वाचित या नियुक्त नहीं किया जाएगा।

(3) परिषद् के प्रध्यक्ष की सहमति से समिति का चैयरमैन परिषद् के अधिक से अधिक किसी ऐसे एक सदस्य को सहमति के किसी अधिकारेशन में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित कर सकता है जो उस विशिष्ट समिति का सदस्य नहीं है और इस प्रकार आमंत्रित व्यक्ति को समिति के विचार-विमर्श में भाग लेने की स्वतन्त्रता होगी किन्तु उसे मतदान करने का अधिकार नहीं होगा।

परन्तु यदि वित्तीय प्रतिक्रिया अन्तर्भूत नहीं है तो किसी समिति का चैयरमैन जिनने भी सदस्यों को परिषद् के अध्यक्ष की सहमति से आमंत्रित कर सकता है और इस प्रकार आमंत्रित सदस्यों को उस समिति के विचार-विमर्श में भाग लेने की स्वतन्त्रता होगी किन्तु उन्हें मतदान करने का अधिकार नहीं होगा।

भाग 8

परिषद् के सचिव/रजिस्ट्रार तथा अन्य अधिकारियों और लेवकों की पदावधि तथा जिका और कर्तव्य

सचिव रजिस्ट्रार

53. सचिव/रजिस्ट्रार की पदावधि को उनकी नियुक्ति के समय परिषद् नियन्त करेगी। वर्ष 53 वर्ष की प्रायु परी कर नेते पर सामाजिक तथा सेवानिवृत्त हो जाएगा किन्तु उस दशा में नहीं जब कि परिषद् ने प्रत्यया अवधारित किया है,

परन्तु 58 वर्ष की प्रायु के आगे उसकी सेवा का विस्तार अधिक से अधिक कुल दो वर्ष की अवधि के लिए मंजुर किया जा सकता है।

54. (1) रजिस्ट्रार परिषद् का कार्यपालक अधिकारी होगा।

(2) वर्ष 53 वर्ष की प्रायु का पालन करेगा जो उसे अधिनियम और विनियमों द्वारा सीधे गाए हैं और जो प्रत्यक्ष द्वारा भी सीधे गाए हैं। वह परिषद् की सम्पत्ति की मुद्रासा, कार्यालय के नियंत्रण और प्रबन्धन तथा लेखा (एकाउन्ट्स) और पक्षाभास के लिए भी उत्तरवाची होगा। वह यह लेखा कार्यालय के कर्मचारी ठीक समय पर उपस्थित होते हैं और वह मात्रारण तथा ऐसे मध्यी कर्तव्यों का पालन करेगा जिनको करने के लिए उसमें परिषद्, अधिनियम के प्रयोगनों के लिए, अनेकों करे। वह परिषद्, कार्यकारिणी समिति और अन्य समितियों के अधिकारेशनों की कार्यवाची में हाजिर रहेगा और उन्हें टिप्पणित करेगा।

55. रजिस्ट्रार, परिषद् के किसी सदस्य को पदावधि का अवसान होने से कम से कम तब्दी दिन पहले, अध्यक्ष का ध्यान, होने वाली रिक्ति की ओर आकर्षित करेगा और अध्यक्ष तत्काल उसकी रिपोर्ट के द्वारा सरकार से इस बात के लिए करेगा कि जिन तरीकों को देसी रिक्ति होनी है उस तारीख से, उसे भरने के लिए, नया सदस्य नामनिर्दिष्ट या नियुक्ति किया जाएगा।

कर्मचारीवृन्द

56. अनुचितीय और यूप "घ" के सदस्यों से 58 वर्ष की प्रायु परी कर लेने पर सेवानिवृत्त होने की अपेक्षा की जाएगी;

परन्तु परिषद् अपने विवेकानुसार अनुचितीय या निम्नतर ग्रेड के कर्मचारी-वृन्द के किसी सदस्य को पदावधि किसी भ्रमिति के लिए, जो दो वर्ष से अधिक की नहीं होती, बढ़ा सकती है।

57. कर्मचारीवृन्द के कर्तव्य और उत्तराधित्व वही होंगे जो परिषद् द्वारा देसी प्रयोगनों के लिए विवित स्थायी आदेशों में, समय समय पर, अधिकारित किए जाएं।

58. रजिस्ट्रार कार्यकारिणी समिति के अनुमोदन के अधीन रहते हुए, लिपिकीय और यूप "घ" कर्मचारीवृन्द नियुक्त करेगा और ऐसे प्रस्तावी कार्यकों को काम पर लगा सकेगा जो समय-समय पर अपेक्षित हों और ऐसे कार्यकों को उचित वर पर परिवर्तित का भुगतान कर सकेगा, परन्तु यह दर उस दर से अधिक नहीं होगा जो तत्परान स्थायी कर्मचारिवृन्द के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा मंजर की गई है। ये नियुक्तियां परिषद् द्वारा अनुसमर्थन के अधीन होंगी।

भाग-9

सम्पत्ति का प्रबन्ध, वित्त और लेखा

59. परिषद् के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, कार्यकारिणी समिति को, परिषद् की संपत्ति की बाबत ऐसे सभी कार्य और कुर्य, जो परिषद् के प्रयोगन के लिए आवश्यक या समीचीन हों और उसमें से वन व्यय करने की पूर्ण शक्ति भी प्राप्तिकार होगा और विशिष्ट रूप से वन व्यय इस परिषद् की अपापकता पर प्रतिकूल प्रस्ताव ढाले जिन, कार्यकारिणी समिति को यह शक्ति होगी कि वह -

(क) परिषद् की संपत्ति की देखभाल करे, प्रबन्ध करे और प्रबन्ध का पर्यवेक्षण करे तथा उक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित धन व्यय करे;

(ख) सभी रेटों, भाटकों, करों या अन्य देय रकमों का भुगतान करे;

(ग) बान, श्रय, विनियोग, पट्टे द्वारा या अन्यथा दी गई सम्पत्ति का अर्जन करे तथा परिषद् की किसी भूमि, भवन और अन्य जंगल या स्थावर संपत्ति का विक्रय करे, उसे बन्धक रखे या उसका अध्ययन करे;

(घ) कोई भवन या संस्थान बनाए, उसका निर्माण करे, अमुखण्ड करे, उसमें परिवर्तन, विस्तार, सुधार करे और उसकी संरक्षण करे; और

(ङ) अपनी कोई शक्ति अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, समिति, परिषद् के किसी प्राधिकारी या प्राधिकारी को प्रत्यायेजित करे :

परन्तु कार्यकारिणी समिति, परिषद् की जंगल या स्थावर संपत्ति की बाबत की गई किसी भी कारबाई के बारे में पूरी जानकारी परिषद् के प्रगल्भ अधिवेशन में प्रस्तुत करें।

परन्तु यह और कि यदि वर्ष (ग) और (घ) में यथावर्गित किसी संपत्ति का मूल्य दो हजार रुपए से अधिक है तो उसका विक्रय, पट्टा या कोई अन्य अन्तरण, परिषद् की पूर्व मंजूरी के बिना, नहीं किया जाएगा।

60. परिषद् को अपने व्यय के लिए केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति लेकर प्राइवेट अक्षियों और निकायों से दान या अंशवान प्राप्त करने के लिए और रिटेंट तथा अन्य प्रकाशनों के विक्रय आगम प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

61. परिषद् के बैंक भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा होगी। परिषद् की सभी विधियाँ उस बैंक में परिषद् के खाते में, जमा की जाएंगी और उसमें से बन ऐसे बैंक द्वारा निकाला जाएगा जिस पर अध्यक्ष ने या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष ने और रजिस्ट्रार ने भी, हस्ताक्षर किए हों। ऐसे बैंक रजिस्ट्रार की वैयक्तिक प्रभिकारा में रहेंगे।

62. परिषद् की जो निधि उसकी साधारण प्रावधानकाराओं से अधिक है उसका विनियोग, रजिस्ट्रार की सिफारिश और वित्त समिति की मंजूरी से, निम्नलिखित रीति से किया जाएगा :-

- किसी राज्य सरकार का भारत सरकार के बचनपत्रों, स्टाक या अन्य प्रतिभूतियों में;
- कंपनियों के स्टाक, डिबेन्चरों या शेयरों में, जिन पर व्याज की गारंटी भारत सरकार द्वारा दी गई है;
- भारत में स्थापित विधानमंडल के किसी अधिनियम के प्राधिकार के अधीन अध्यक्ष नगर सुधार न्यास (सिटी इन्हूस्वीट ट्रस्ट, नगरपालिका निकाय) पत्तन न्यास या नगर सुधार न्यास द्वारा या उसकी और से धन के लिए जारी किए गए डिम्ब्बरों या अन्य प्रतिभूतियों में।

63. परिषद् की निधि का विनियोग परिषद् के नाम से किया जाएगा। मुरक्षित प्रभिकारा (सेक्फस्टडी) के लिए रसीदें, रजिस्ट्रार के निजी भारतसाधन (पर्सनल चार्ज) में रहेंगी और उनका सत्यागत छह मास में एक बार उस प्रति-भूति-रजिस्टर से किया जाएगा जो इस भाग के विनियम-71 के अधीन रखा गया है और सत्यापन का प्रमाणपत्र रजिस्टर में रजिस्ट्रार द्वारा अधिलिखित और अध्यक्ष द्वारा प्रतिहस्ताक्षित किया जाएगा।

64. वित्त समिति अगले वित्तीय वर्ष के लिए प्राप्तियों और अन्य का व्यौद्ध-भार प्राप्तकालन तैयार करेंगी और उसे कार्यकारिणी समिति के अनुमोदन के लिए उसके एसे अगले अधिवेशन में प्रस्तुत करेंगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रत्येक वर्ष नवम्बर के प्रथम सप्ताह में किया जाने वाला हो। मंजूर किए गए प्राप्तकालन की एक प्रति परिषद् को और दूसरी प्रति केन्द्रीय सरकार के स्वास्थ्य विभाग के संवित कारों, प्रत्येक वर्ष में 1 नवम्बर तक प्रस्तुत कर दी जाएगी।

65. परिषद् की निधि का विनियोग किसी ऐसी मद पर अन्य के लिए नहीं किया जाएगा जिसके लिए, यथास्थिति, परिषद् या प्रब्रह्म या रजिस्ट्रार ने सम्बद्ध रूप से मंजूरी न दी हो।

66. विनियोजन की प्राथमिक इकाइयाँ, 'अधिकारियों का वेतन', 'स्थान (एसटैचिशेन्ट) का वेतन' 'भले और मानदेय', 'आकस्मिकताएं' और 'छुट्टी, पेशन या भविष्य निधि देशदान' होंगी।

67. अध्यक्ष को यह शक्ति होगी कि वह मंजूर की गई कुल प्रावक्तिलिस धन-राशि के अन्तर्गत किसी एक मद के लिए निधि में से किए जाने वाले विनियोजन का पुनः विनियोजन किसी दूसरी मद के लिए करें। ऐसे पुनः विनियोजन को मंजूर करने वाले अधिवेशनों की प्रतियाँ कार्यकारिणी समिति को भेजी जाएंगी।

68. रजिस्ट्रार को किसी प्रकीर्ण और आकस्मिक प्रश्नों के प्रत्येक मामले में अधिक पांच-सी रुपये तक अव मंजूर करने को शक्ति होगी। इस रकम से अधिक अवय के लिए अध्यक्ष की मंजूरी अपेक्षित होगी।

69. रजिस्ट्रार को पांच-सी रुपये स्थायी प्रधिम के रूप में दिए जाएंगे।

70. रजिस्ट्रार, परिषद् के सदस्यों, निरीश्वरों, परिदर्शकों और अन्य कर्मचारियों की यात्रा, विराम तथा अन्य भत्तों का प्रमाणकर्ता अधिकारी होगा और रजिस्ट्रार की इन बातों के लिए अध्यक्ष प्रमाणकर्ता अधिकारी होगा।

71. परिषद् के निम्नलिखित लेखा रजिस्टर रखे जाएंगे :—

- रोकड़ बही।
- वर्गीकृत संक्षिप्ति।
- प्रतिभूति रजिस्टर।
- स्टाक और फर्नीचर रजिस्टर।
- वैक-बुक स्टाक रजिस्टर।
- छुट्टी और पेशन-अंशवान रजिस्टर।
- स्थायी प्रधिम रजिस्टर।
- वार्षिक लेखा।
- कोई अन्य रजिस्टर।

72. विनियोजन की प्राथमिक इकाइयों के प्रनुसार वर्तीकृत संक्षिप्ति के रूप में मासिक लेखा वैयार किया जाएगा। समुचित गौण इकाइयाँ रजिस्ट्रार के विवेकानुसार खोली जा सकेंगी और रजिस्ट्रार मध्ये लेखाओं को सम्बद्ध रूप में तैयार करने तथा बनाए रखने के लिए उत्तरदायी होगा।

73. (1) परिषद् के लेखाओं को परीक्षा प्रतिवर्ष भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक द्वारा या उसके नाम-निर्देशिती द्वारा की जाएंगी। यदि भारत का नियंत्रक महालेखापरीक्षक परिषद् के लेखाओं की परीक्षा करने से इन्कार करता है तो परिषद् केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन में किसी चार्टर्ड एकाउन्टेंट को नियुक्त कर सकती है। ऐसी लेखा-परीक्षा के सम्बन्ध में उपगत कोई अवय परिषद् द्वारा देय होगा।

(2) परिषद् के लेखाओं की परीक्षा के सम्बन्ध में भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा या उसके नाम-निर्देशिती द्वारा की जाएंगी। यदि भारत का नियंत्रक महालेखापरीक्षक के परीक्षण के लेखाओं की परीक्षा करने से इन्कार करता है तो परिषद् केन्द्रीय सरकार के लेखाओं की परीक्षा के सम्बन्ध में होते हैं और विशिष्ट-तथा उसे बहिर्या, लेखा, सम्बद्ध बात वर नया अन्य प्रावधानकारी वस्तावेजों और कागज-पत्र पेश किए जाने वाले माम फरने का अधिकार होगा।

(3) लेखा परीक्षक परिषद् की लेखा-परीक्षा का परिणाम संसूचित करेगा और उस पर कार्यकारिणी समिति द्वारा विचार कर लिए जाने के पश्चात् लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट और परीक्षित लेखाओं का विवरण भारत सरकार के स्थानीय और परिवार कल्याण भवनालय को भेजा जाएगा। उसी समय लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट परिषद् के सभी सदस्यों की जानकारी के लिए, उनके बीच, परिचालित की जाएगी।

परन्तु यदि परीक्षित लेखाओं के अभाव में सरकारी अनुदान का दिया जाना एक जाता है तो अध्यक्ष लेखा-परीक्षक से परीक्षित लेखा प्राप्त होने ही उन्हें सत्काल के अधीय सरकार को भेजेगा।

डा० पी० एस० बर्मा
सचिव
मेलायी होम्पोरीषी विभाग

**RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS &
DEVELOPMENT**

Bombay-400005, the 9th November 1985

DBOD. No. Incl.317/Fol.C.102-85.—In pursuance of clause (a) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Reserve Bank of India hereby directs the inclusion in the Second Schedule to the said Act of the following bank, namely :

Oman International Bank S.A.O.

A. GHOSH
Dy. Governor

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay, the 25th October 1985

No. INSP/ST/1376.—The following appointments on the Bank's staff are hereby notified :—

Name	Designation	Date of appointment
Sureshri		
B. G. Banerjee	Branch Inspector	04-06-1985
A. K. P. Nimbkar	Branch Inspector	19-06-1985
P.G. Munjee	Branch Inspector	26-06-1985
S.K. Sharma	Branch Inspector	22-06-1985
K.P. Singh	Branch Inspector	22-06-1985
V.K. Nigam	Branch Inspector	01-03-1985
V.B. Duraiappa	Branch Inspector	02-07-1985
N. rein	Branch Inspector	08-07-1985
V. Kameswara Sharma	Branch Inspector	09-07-1985
K. N. Nimbkar	Branch Inspector	18-07-1985
S.V. Jayabati	Branch Inspector	29-07-1985
P. L. Duggal	Branch Inspector	29-07-1985
M. G. Arora	Branch Inspector	01-08-1985
V. Narasimha Rao	Branch Inspector	02-08-1985
P. R. Kumari Roy	Branch Inspector	05-08-1985
T. Narasimha Murthy	Branch Inspector	12-08-1985
H. K. Tandon	Branch Inspector	13-08-1985
P.L.N. Rao	Branch Inspector	06-08-1985
L. N. Subramanian	Branch Inspector	16-08-1985
S.K. Ghosh	Branch Inspector	17-08-1985
K. K. Verma	Branch Inspector	10-08-1985
R.M. Tiwari	Branch Inspector	08-08-1985
A.M. Krishna Sastry	Branch Inspector	29-08-1985
C. Ramaswamy	Branch Inspector	04-09-1985
S. Rama Krishna Rao	Branch Inspector	02-09-1985
K.A. Madhusudhana Rao	Branch Inspector	03-08-1985
Y.P. Garg	Branch Inspector	11-09-1985
Nath Maj	Branch Inspector	24-09-1985
M.P. Mangain	Dy. Branch Inspector	11-06-1985
P.S. Suthar	Dy. Branch Inspector	27-06-1985
H. Krishnan	Dy. Branch Inspector	10-07-1985
Shankar Chanda	Dy. Branch Inspector	15-07-1985
R.N. Dixit	Dy. Branch Inspector	17-07-1985
G. Lakshmi Narasimhan	Dy. Branch Inspector	02-08-1985
S.N. Sastry	Dy. Branch Inspector	06-08-1985
E.D. Kalbandhe	Dy. Branch Inspector	21-08-1985
Selvaraj Daniel	Dy. Branch Inspector	26-08-1985
K.C. Veerayya	Dy. Branch Inspector	28-08-1985
K. Ramaswamy	Dy. Branch Inspector	03-09-1985
P. Jasurathinam	Dy. Branch Inspector	09-09-1985
R.L. Mahajan	Dy. Branch Inspector	03-10-1985

K. S. PUROHIT,
Chief General Manager,
(Inspection & Audit)

**STATE BANK OF PATTIALA
ZONAL OFFICE**

New Delhi-110001, the 18th November 1985

No. ZM/11930.—Statement showing Notification of Posting/Transfers of Supervising Staff in Government Gazette for October 1985.

Shri Gunvir Singh Bique Officer in JMGS-I has been transferred from PSEB, Patiala to K.G. Marg, New Delhi as Assistant Accountant and joined thereon 26-10-1985.

Shri R. L. Wadhwa Officer in JMGS-I has been transferred from Bandra, Bombay to Nariman Point, Bombay as Assistant Accountant and joined thereon 29-10-1985.

Shri Suresh Sharma Officer in JMGS-I has been transferred from Rajpura to Saharanpur as Assistant Accountant and joined thereon 28-10-1985.

Miss Chander Rekha Officer in JMGS-I has been transferred from Gumti No. 5, Kanpur to Navin Market, Kanpur as Assistant Accountant and joined thereon 17-10-1985.

Shri A. K. Jain Officer in JMGS-I has been transferred from S. N. Marg, Delhi to Janak Puri New Delhi as Assistant Accountant and joined thereon 19-10-1985.

Shri S. P. Mehtani Officer in JMGS-I has been transferred from Janak Puri, New Delhi to Shiv Nagar, New Delhi as Branch Manager and joined thereon 21-10-1985.

Shri J. S. Elmawadi Officer in MMGS-III has been transferred from H.O. Patiala to Bangalore (Main) Branch as Branch Manager and joined thereon 29-10-1985.

HARDARSHAN SINGH
Zonal Manager

**THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA**

Bombay-400005, the 16th October 1985

No. 3-WCA(8)/5/85-86.—In pursuance of Regulations 10(i), (iii) of the Chartered Accountants Regulations 1964, it is hereby notified that the Certificates of Practice issued to the following members have been cancelled as they do not desire to hold the same.

S. No.	Member- No.	Name & Address	Date of Cancellation
1.	32317	Shri Dharam Jit Singh ACA Palekar Chambers, 1st Floor, 12, 1st Mritne Street, BOMBAY-400002.	1-5-1985
2.	32721	Shri H. R. Nasser ACA Palekar Chambers, 1st Floor, 12, 1st Mritne Street, BOMBAY-400002.	1-5-1985
3.	34225	Shri J. S. Mahire, ACA 22/1, Samrat Ashok Co-op Hsg. Society, Shell Colony Road, Chembur, BOMBAY-400071.	17-8-1985
4.	35135	Shri H. Y. Chandorkar ACA 26, Narmada Niwas, topiwala wadi, Goregaon (West), BOMBAY-400062.	20-7-1985

The 23rd October 1985

No. 3WCA(5)/7/85-86.—With reference to this Institute's Notification No. 3WCA (4)/8/83-84 dated 31-3-84, 3WCA(4)

(3/82-83 dated 5-3-83, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 that in exercise of the powers conferred by regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, with effect from the date mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	12793	Shri J. M. Thakkar, FCA., 10/2, Shrigi b. ug Flt, N vr ngpur, AHMEDABAD-380009.	2-9-1985
2.	32035	Shri S. V. Zaregaonkar, ACA., 82/1/B/3, P. rvti, Dr. Deshpande Bungalow, Opp : G andhi Training College, Ar. nyeshwar, Sihk nger, PUNE-411009.	9-9-1985
3.	32270	Shri B. S. Sanghavi, ACA., A/17, Krupali, Opp : Sub b Temple, S. V. Road, Borivali West, BOMBAY-400092.	28-6-1984
4.	33053	Shri S. N. Soparkar, ACA., E-12, Jaldarshan Flats, Opp : Natraj Theatre, Ashram Road, AHMEDABAD-380009.	3-9-1985

the 11th November, 1985

No. 3WCA(4)/4/85-86:—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death the name of the following members with effect from the date, mentioned against their names:—

S. No.	Membership Number	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	102	Shri D. L. Bhatt Dinubhai & Company, 65, Mahatma Gandhi Rd. Fort, BOMBAY-400023.	26-7-1985

1	2	3	4
2.	2575	Shri T. G. Mavani, 36, Satyam Apts., 5th Floor, Mahatma Gandhi Rd., Cross No. 2, Kandivli West, BOMBAY-400067.	1-12-1983
3.	34026	Shri S. S. Iyer, B/17, Shanti Building, Dr. Rajendra Prasad Rd., Mulund West, BOMBAY-400080.	30-8-1985

R. L. CHOPRA,
Secretary

Kanpur-208001, the 16th October, 1985

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3CCA(5) (6)/85-86:—With reference to this Institute's Notification Nos. 3CCA (4)—83-84 Dt. 31-3-84, 4CCA(1)(5)/80-81 Dt.31-3-81&4ECA(II) /79-80 dated 15-3-80 its hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountant Regulation, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members the names of the following Member/with effect from the dates mentioned against their names.

S. No.	Membership Number	Name & Address	Date
1.	11469	Shri Mukut Behari Pareek, ACA, Dy. General Manager (Accounts), Rajasthan Financial Corp., Udyog Bhawan, Tilak Marg, JAIPUR.	20-9-85
2.	15637	Shri Vishwa Mohan, ACA, Chief Accountant, The Kisan Co-operative Sugar Factory Ltd., Moghola, Dist : PILIBHIT.	30-9-85
3.	17462	Shri Narendra Kumar Modi, ACA, D-171-A, Bhrigu Marg, Bani Park, JAIPUR.	9-9-85
4.	50719	Shri Aspy D. Mehta, ACA., 117/HI/342, Model Town, Pandunagar, KANPUR-208005.	3-10-85

R. L. CHOPRA,
Secretary

UNIT TRUST OF INDIA

CORRIGENDA
The 15 the November 1985

No. UT 160/Accts/79/85-86:—Corrigendum to the Auditor's Report to the Board of Trustees of Unit Trust of India, Balance-sheet, Revenue Account, Revenue Appropriation Accounts, Schedules annexed to and forming part of the Balance sheet and Notes annexed to and forming part of the accounts in respect of Unit Scheme 1964, Unit Scheme 1971, CRTS—1981, I.U.S. 1982, MIS(1) 1983, GIS-1983, MIS(2) 1983, MIS(3) 1984, IUS 1985 and MIS(4) 1985 of the UNIT TRUST OF INDIA, for the year ended 30th June, 1985 published in the Gazette of India No. 40 (Part III—Section 4) dated October 5, 1985 on Pages 1808 to 1827.

Page No.	Matter printed in Gazette	Matter that should have been printed	Rectification to be made
1	2	3	4
1808	K. S. Alyar & Co. Chartered Accountants, 49, Apollo Street, Bombay-400023.	K. S. Aiyar & Co., Chartered Accountants, 49, Apollo Street, Bombay-400023. Dated : 11th Sep., 1985.	Date should be printed below the Name & Address of the Auditors.
1809	Liabilities Capital figure for current year under U.S. 1971 Rs. 11,1,345.75.	Liabilities Capital figure for current year under U.S. 1971 R. 11145.75	Amount of capital for the current year under U. S. 1971 should be printed 11145.75

1	2	3	4
1809	NOTES TO ACCOUNTS	NOTES TO ACCOUNTS	Against the words NOTES TO ACCOUNTS, letter Q should be printed in the schedule Column.
1810	Unit Scheme 1984	Unit Scheme 1964	The heading title of the scheme is printed as Unit Scheme 1984, which should be printed as Unit Scheme 1964.
1810	Total ('A'—'B') in respect of CGS 1983 for previous period (7 months) Rs. 532·11	Total ('A'—'B') in respect of CGS 1983 for previous period (7 months) Rs. 542·11	Total ('A'—'B') figure for previous period in respect of CGS should be printed as Rs. 542·11.
1811	Subtotal 'B' for previous year in respect of U.S. 1964 Rs. 404075	Subtotal 'B' for previous year in respect of U.S. 1964 Rs. 404·75	Amount should be printed as Rs. 404·75 instead of 404075.
1811	C.R.T.S. 1981 Previous year	C.R.T.S. 1981 previous year	Instead of the word "Previous" "Previous" should be printed.
1811	M	—	The letter 'M' should be deleted.
1811	I	—	I should be replaced by '—'.
1811	319	3·19	Instead of the figure 319, 3·19 should be printed.
1811	0·4	0·04	The '0' of ·04 is not printed properly.
1812	Amount of Income Distribution for the year in current year's column for unit capital under Unit Scheme 1964—Rs. 14482·87	Amount of Income Distribution for the year in current year's column for unit capital under U.S. 1964 Rs. 14482·47	Amount of Income Distribution for the year in respect of U.S. 1964 in the column for current year under Unit capital should be printed as 14482·47 instead of Rs. 14482·87
1813	K. S. Aiyar & Co., Ratan S. Mama & Co., Chartered Accountants.	K. S. Aiyar & Co., Ratan S. Mama & Co., Chartered Accountants.	The word "Chartered Accountants" should be printed below, in-between the names of the two companies.
1813	—	Dr. P. D. Ojha.	The name of Dr. P. D. Ojha should be printed above the name of S. V. NARAYANAN.
1814	843·93	853·93	The figure 853·93 should be printed instead of 843·93.
1815	83·46	82·46	The figure 82·46 should be printed instead of 83·46.
1815	(Notes 817)	(Notes 8 and 17)	The words "Notes 8 & 17" should be printed instead of "Notes 817".
1816	60111·54	60111·45	The figure 60111·45 should be printed instead of 60111·54.
1818	953·00	958·00	The figure 958·00 should be printed instead of 953·00
1819	I.U.B. 1985	I.U.S. 1985	The words I.U.S. 1985 should be printed instead of I.U.B. 1985.
1819	Deferred Expenses written off excess amount paid on Repurchase of units.	Deferred Expenses written off 'Excess amount paid on Repurchase of units'	The two sentences viz : "Deferred Expenses written off" "Excess amount paid on Repurchase of units" should be printed separately.
1820	(Less) : SHORT Add : Excess provision for expenditure no longer required.	Add (Less) : Excess (Short) provision for expenditure no longer required.	The heading should be printed in one sentence.
1820	434·32	434·31	Amount 434·31 should be printed instead of 434·32.
1820	104·32	104·34	Amount 104·34 should be printed instead of 104·32

1	2	3	4
1820	—	REVENUE APPROPRIATION ACCOUNTS FOR THE YEAR/ PERIOD ENDED 30TH JUNE, 1985.	The heading "REVENUE APPROPRIATION" ACCOUNTS FOR THE YEAR/ PERIOD ENDED 30TH JUNE 1985 is to be printed after the TOTAL INCOME column.
1820	102·00	102·02	Amount 102·02 should be printed instead of 102·00 under the head Balance Transferred from Revenue account.
1820	102·00	102·02	Amount 102·02 should be printed instead of 102·00 in the total column.
1820	— : 10·46	10·46, —	Amount Rs. 10·46 should be printed under the column MIS (3) 1984, current period (10 months) &—in the column IUS 1985 previous year instead of vice-versa.
1821	3383	33·83	The figure 33·83 should be printed instead of 3383.
1821	—	158·71	The figure 158·71 should be printed in the total of schedule 'L' under the column MIS(4) 1985 current year figure.
1822	207·00	207·30	The figure 207·30 should be printed instead of 207·00
1822	303·40	303·46	The figure 303·46 should be printed instead of 303·40
1823	3·04	34·04	The figure 34·04 should be printed instead of 3·04 under the column. Due to Unit Scheme 1964, 1984-85.
1823	785·0	785·05	The figure 785·05 should be printed instead of 785·0 under the column. Due from Unit Scheme 1964, 1984-85.
1824	Rs. 2·00 lakhs	Rs. 200 lakhs	The figure Rs. 200 lakhs should be printed instead of Rs. 2·00 lakhs.
1824	Difference	Differences	The word "Differences" should be printed instead of "difference".
1826	VII. MONTHLY INCOME UNIT SCHEME, 1982 (MIS-I)	VII. MONTHLY INCOME UNIT SCHEME 1983 (MIS-I)	The heading "MONTHLY INCOME UNIT SCHEME 1983 (MIS-I)" should be printed instead of "MONTHLY INCOME UNIT SCHEME, 1982 (MIS-I)".
1827	335·23	3352·23	The figure Rs. 3352·23 should be printed instead of Rs. 335·23
1827	M. S. PHERWANI—CHAIRMAN	M. J. PHERWANI—CHAIRMAN	The name M. J. PHERWANI should be printed instead of M. S. PHERWANI.

for UNIT TRUST OF INDIA

Sd. (ILLEGIBLE)
Deputy Gen. Manager (Accts)

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY
HOMOEOPATHY CENTRAL COUNCIL (ELECTION OF
PRESIDENT AND VICE-PRESIDENT) REGULATIONS,
1976

New Delhi, the

1984

No. 7-1/83-CCH.—In exercise of the powers conferred by section 33 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), the Central Council of Homoeopathy, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title.—These regulations may be called the Homoeopathy Central Council (Election of the President and Vice-President) Regulations, 1976.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) 'Act' means the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973);
- (b) 'Council' means the Central Council of Homoeopathy;
- (c) 'Form' means a form annexed to these regulations;

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

New Delhi, Dated 15th November 1984

No. 7-1/83-CCH.—In exercise of the powers conferred by clauses (b) to (g) of section 33 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973), Central Council of Homoeopathy with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. These Regulations may be called the Central Council of Homoeopathy (General) Regulations, 1973.

2. In these regulations, unless the context otherwise requires—

- (a) 'Act' means the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973);
- (b) 'Council' means the Central Council of Homoeopathy constituted under the Act;
- (c) 'Employee of the Council' means persons appointed under clause (b) of section 11 of the Act to carry out the purposes of the Act;
- (d) 'Executive Committee' or 'Committee' means the Executive Committee or Committee constituted under sub-section (1) of section 9 of the Act;
- (e) 'Group D staff' included the Daftaries, Jamadars, Peons, Chowkidars and Sweepets appointed under clause (d) of section 11;
- (f) 'Inspector' means a medical inspector appointed under sub-section (1) of section 17 of the Act;
- (g) 'Member' means a member elected or nominated under section (1) of section 3 of the Act;
- (h) 'Ministerial staff' means the Superintendent, Head-clerks, Accountant, Clerks, Stenographers, Typists, Gestetner Operators, appointed under clause (b) of section 11;
- (i) 'President' means the President of the Council elected or nominated under sub-section (2) of section 3 of the Act;
- (j) 'Vice-President' means the Vice-President of the Council elected or nominated under sub-section (2) of section 3 of the Act;
- (k) 'Registrar' or 'Secretary' means the Registrar of the Council appointed under clause (a) of section 11 of the Act, also acting as the Secretary of the Council;
- (l) 'Visitor' means a visitor appointed under sub-section (1) of section 18 of the Act;

3. The office of the Council shall be situated in Delhi.

PART I

Time, place of and preparation of business at meetings of the Council

4. (1) Meetings of the Council shall ordinarily be held at Delhi or at such other places and on such dates and time as may be decided by the Council.

Provided that the President may call a special meeting at any time on 15 days' notice :—

- (i) to deal with any urgent matter requiring the attention of the Council;
- (ii) for a purpose referred to in Regulation 8 (1) (b)
- (iii) on a requisition signed by not less than 50% of the total members of the Council for a purpose which is within the scope of the Council's functions, not being a purpose referred to in clause (ii).

(2) The first meeting of the Council held in any financial year shall be the Annual Meeting of the Council for that year.

5. At meetings referred to in the proviso to Regulation 4 (1) only the subject or subjects for the consideration of which the meeting has been called shall be discussed.

Notice of Meetings

6. (1) Notice of every meeting other than a special meeting called under the proviso to Regulation 4(1) or under the first proviso to Regulation 8(I)(b) shall be despatched by the Secretary to each member of the Council not less than 30 days before the date of the meeting.

(2) Notice of every meeting of the Council shall be despatched under certificate of posting and non-receipt of any notice shall not however invalidate the proceedings of any meeting.

Agenda Papers

7. (1) The Secretary shall issue with the notice of the meeting a preliminary agenda paper showing the business to be brought before the meeting, the terms of all motions to be moved of which notice in writing has previously reached him and the names of the movers.

(2) A member who wishes to move any motion not included in the preliminary agenda paper or an amendment to any item so included shall give notice thereof to the Secretary not less than 15 clear days before the date fixed for the meeting.

(3) The Secretary shall not less than 15 clear days before the date fixed for the meeting and in the case of a special meeting with the notice of the meeting, issue a complete agenda paper showing the business to be brought before the meeting.

(4) A member who wishes to move an amendment to any item included in the complete agenda paper, but not included in the preliminary agenda paper shall give notice thereof to the Secretary not less than 3 clear days before the date fixed for the meeting.

(5) The Secretary shall, if time permits, cause a list of all amendments, of which notice has been given under clause (4) to be made available for the use of every member.

Provided that the President may, if the Council agrees, allow a motion to be discussed at a meeting notwithstanding the fact that notice was received too to admit of compliance with this Regulation.

Provided further that nothing in this Regulation shall operate to prevent under special circumstances the reference by the Executive Committee of any matter to the Council at a meeting following immediately or to soon after the meeting of the Executive Committee to permit of the notice required under this Regulation.

Admissibility of Motion

8. (1) The President shall disallow any motion :—

- (a) if the matter to which it relates is not within the scope of the Council's functions;
- (b) if it raises substantially the same question as a motion or amendment which has been moved or withdrawn with the leave of the Council within one year of the date of the meeting at which it is to be moved :

Provided that such a motion may be admitted at special meeting of the Council convened for the purpose on the requisition of not less than two thirds of the members of the Council;

Provided further that nothing in these Regulations shall operate to prohibit the further discussion of any matter referred to the Council by the Central Government in the exercise of any of its functions under the Act;

- (c) unless it is clearly and precisely expressed and raises substantially one definite issue.

(d) if it contains arguments, inferences, ironical expressions, imputations or defamatory statements :

Provided that if a motion can be rendered admissible by amendment, the President may in lieu of disallowing the motion admit it in an amended form.

(2) When the President disallows or amends a motion the Secretary shall inform the member who gave the notice of the motion of the order of disallowance or, as the case may be, of the form in which the motion has been admitted.

PART II

Conduct of Business at Meetings of the Council

9. (1) Every meeting of the Council shall be presided over by the President, or if he is absent, by the Vice-President or, if both the President and the Vice-President are absent, by a Chairman to be elected by the members present from among themselves.

(2) All references in this part to the President shall be read as referring to the person for the time being presiding over a meeting.

10. If, at the time appointed for a meeting, a quorum is not present, the meeting shall not commence until a quorum is present, and if a quorum is not present, on the expiration of 30 minutes from the time appointed for the meeting or during the course of any meeting, the meeting shall stand adjourned to such future time and date as the President may appoint. 1/3 of the total members of the Central Council shall constitute a quorum.

11. (1) Every matter to be determined by the Council shall be determined on a motion moved by a member and put to the Council by the President.

(2) Votes shall be taken by show of hands or by division or by ballot, as the President may direct :

Provided that votes shall be taken by ballot if three members so desire and ask for it:

Provided further that if voting has been by show of hands, a division shall be taken if at least one member asks for it.

(3) The President shall determine the method of taking votes by division.

(4) The result of the vote shall be announced by the President and shall be final.

(5) In the event of an equality of votes the President shall have a second or a casting vote.

12. When motions identical in purport stand in the names of two or more members, the President shall decide whose motion shall be moved and the other motion or motions shall thereupon be deemed to be withdrawn.

13. (1) Every motion or amendment shall be seconded and if not seconded shall be deemed to have been withdrawn.

(2) When a motion has been seconded it shall be stated from the Chair.

(3) When a motion has been thus stated, it may be discussed as a question to be resolved either in the affirmation or in the negative or any member may, subject to Regulations 14 and 15, move an amendment to the motion :

Provided that the President shall not allow an amendment to be moved which, if it has been a substantive motion, would have been inadmissible under Regulation 5.

14. (1) An amendment must be relevant to and within the scope of the motion to which it is proposed.

(2) An amendment may not be moved which has merely the effect of a negative vote.

(3) The President may refuse to put to the Council an amendment which in his opinion is frivolous.

15. A motion may be amended by —

- (a) the omission, insertion or addition of word, or words;
- (b) the substitution of words for any of the original words.

16. (1) When a motion or amendment is under debate, no proposal with reference thereto shall be made other than :—

(a) an amendment of the motion or of the amendment as the case may be, as proposed in Regulation 13;

(b) a motion for the adjournment of the debate on the motion or amendment either to a specified date and hour or sine die;

(c) a motion for the closure, namely a motion that the question be now put;

(d) a motion that the Council instead of proceeding to deal with the motion do pass to the next item on the programme of business;

Provided that no such motion or amendment shall be moved so as to interrupt a speech;

Provided further that no motion of the nature referred to in clauses (b), (c) and (d) shall be moved or seconded by a member who has already spoken to the question than before the meeting.

Provided also that a motion referred to in clauses (c) and (d) shall be moved without a speech.

(2) It shall be in the discretion of the President to put or refuse to put to the Council a proposal of the nature referred to in clause (b) of sub-regulation (1).

(3) Unless the President is of opinion that a motion for closure is an abuse of the right of reasonable debate he shall forthwith put a motion that the question be now put and if that motion is carried the substantive motion or amendment under debate shall be put forthwith.

Provided that the President may allow the mover of the substantive motion to exercise his right of reply before the substantive motion under debate is put.

17. A motion or an amendment which has been moved and seconded, shall not be withdrawn save with the leave of the Council which shall not be deemed to be granted, if any member dissents from the granting of leave.

18. When a motion has been moved and seconded, members other than the mover and the seconder may speak on the motion in such order as the President may direct :

Provided that the seconder of a motion or of an amendment may, with the permission of the President, confine himself to seconding the motion or amendment, as the case may be, and speak theron at any subsequent stage of the debate.

19. During the meeting, the President may, at any time, make any objections or suggestions or give information to elucidate any point to help the members in the discussion.

20. (1) The mover of an original motion, and if permitted by the President, the mover of any amendment, shall be entitled to a right of final reply; no other member shall speak more than once to any debate except, with permission of the President, for the purpose of making a personal explanation or of putting a question to the member than addressing the Council :

Provided that any member at any stage of the debate may rise to a point of order, but no speech shall be allowed on that point :

Provided further that a member who has spoken on a motion may speak again on the amendment subsequently moved to the motion.

(2) No member shall, save with the permission of the President, speak for more than five minutes :

Provided that the mover of a motion when moving the same may speak for ten minutes.

(3) A speech shall be strictly confined to the subject matter of the motion or amendment on which it is made.

(4) Any motion or amendment standing in the name of a member who is absent from the meeting or unwilling to move it, may be brought forward by another member with the permission of the President.

21. (1) A member desiring to make any observations on the matter before the Council, shall rise in his place and address the President.

(2) If at any time the President rises any member speaking shall immediately resume his seat.

22. No member shall be heard except upon the business before the Council.

23. (1) When an amendment to any motion is moved and seconded or when two or more such amendments are moved and seconded, the President shall, before taking the sense of the Council thereon state or read to the Council the terms of the original motion and of the amendment or amendments proposed.

(2) An amendment to a motion shall be put to the vote first.

(3) If there be more than one amendment to a motion the President shall decide in what order they shall be taken.

24. When any motion involving several points has been discussed it shall be in the discretion of the President to divide the motion, and put each or any point separately to the vote as he may think fit.

25. (1) The President may, if he deems necessary due to exigencies, at any time, adjourn any meeting to any future day or to any hour of the same day and state the reasons therefor.

(2) Whenever a meeting is adjourned to a future day, the Secretary shall, if possible, send notice of the adjournment to every member who was not present at such meeting.

(3) When a meeting has been adjourned to a future day the President may change such day to any other day for compelling reasons and the Secretary shall send written notice of the change to each member.

(4) At a meeting adjourned to a future day any motion standing over from the previous day shall, unless the President otherwise directs, take precedence over other matters on the agenda.

(5) The President or a member may suggest a change in the order of business on the agenda, either at the beginning of the meeting or after the conclusion of the debate on a particular item during the meeting and if the Council agrees such a change shall be made.

(6) No matter which had not been on the agenda of the original meeting shall be discussed at an adjourned meeting.

(7) The same quorum shall be necessary for an adjourned meeting as for an ordinary meeting.

26. (1) The President shall decide all points of order which may arise, and his decision shall be final.

(2) If any question arises with reference to procedure in respect of a matter for which these regulations make no provision, the President shall decide the same and his decision shall be final.

(3) The President shall direct any business, which it may be necessary for the Council or the Executive Committee to discuss and decide, to be transacted by circulation among the members of the Council or the Executive Committee :

Provided that if ten members of the Council or three members of the Executive Committee, as the case may be, desire that any particular subject shall be decided at a meeting instead of by circulation, it shall be placed before a meeting of the Central Council or the Executive Committee.

(4) Any resolution or report which is circulated as stated above and approved by a majority of the members signing shall be binding as a resolution adopted, as if, in a meeting of the Council or the Executive Committee.

27. Four representatives of the Press at the discretion of the President and other visitors, not exceeding four at a time, may be admitted to the meeting on production of permits from the Secretary. The Press representatives shall be required to obtain the previous approval of the Secretary to the publication of their report of the proceedings. The President at any time may hold the meeting in camera in which case all visitors will be required to withdraw.

PART III

Minutes of the Council

28. The proceedings of the meetings of the Council shall be preserved in the form of printed minutes which shall be authenticated, after confirmation, by the signature of the President.

29. A copy of the minutes of each meeting shall be submitted to the President within 10 days of the meeting and attested by him and they shall then be sent to each member within 30 days of the meeting.

30. The minutes of each meeting shall contain such motions and amendments as have been moved and adopted or negatived with the name of the mover and the seconder, but without any comment and without any record of observations made by any member at the meeting.

31. If any objection regarding the correctness of the Minutes is received within 30 days of the despatch of the Minutes by the Secretary, such objection together with the Minutes as recorded and attested shall be put before the next meeting of the Council for confirmation. At this meeting no question shall be raised except as to the correctness of the records of the meeting :

Provided that if no objection regarding a decision taken by the Council at a meeting is received within 30 days of the despatch by the Secretary of the minutes of that particular meeting, such decision may, if expedient be put into effect before the confirmation of the minutes at the next meeting :

Provided further that the President may direct that action be taken on a decision of the Council before the expiry of the period of 30 days mentioned above.

32. The minutes of the Council shall, as soon as is practicable after their confirmation, be made up in sheets and consecutively paged for insertion in a volume which shall be permanently preserved. A copy of volumes shall be supplied free to each member of the Council; and such copies may be sold to the public at a price to be fixed by the Council.

33. A report shall be kept of the observations and of the discussions at the meetings of the Council in as accurate a manner as possible for the members of the Council. The detailed proceedings of the meetings which shall be treated as 'Confidential' shall be kept in the office and shall be open to members for inspection. A copy of the proceedings in full or in part shall be supplied to any member who may apply for it. Such copy shall be 'Confidential' and be supplied on the payment of sum—fixed by the President and such sum not to exceed the cost of copying. No copy of proceedings held in camera shall be supplied but such proceedings can be inspected by the members.

PART IV

Powers and Duties of the President and Vice-President

34. The President shall exercise such powers and perform such duties as are contained in the provisions of the Act, the regulations, and standing orders of the Council. He shall do such acts as he considers necessary in furtherance of the objects for which the Council is established.

In case of urgency, the President may take the necessary action and intimate the fact to the Executive Committee and the Council, provided that no such action shall be taken in anticipation of approval in matters of large policy or principle or involving an expenditure exceeding Rs. 10,000 from the sanctioned budget.

35. If the office of the President is vacant or if the President for any reason is unable to exercise the powers or perform the duties of his office, the Vice-President shall act in his place and shall exercise the powers and perform the duties of the President.

PART V*Resignation and Filling of Casual Vacancies*

36. A member desiring to resign his seat on the Council shall send his resignation in writing to the President and his resignation shall take effect from the date specified by him in this behalf or from the date of receipt of his letter by the President whichever is later, after confirmation from the member concerned.

37. When a casual vacancy occurs by reason of death or resignation of a member, a report shall be made forthwith by the President to the Central Government for necessary action.

PART VI*The Executive Committee - Functions of, Meetings etc.*

38. The meetings of the Executive Committee shall be generally governed by the Regulations applicable to the meetings of the Council.

39. If at the time appointed for a meeting of the Executive Committee a quorum is not present the meeting shall not commence until a quorum is present, and if a quorum is not present on the expiration of an hour from the time appointed for the meeting or during the course of any meeting, the meeting shall stand adjourned to such future date and time as the President may appoint. 1/3 of the total members of the Executive Committee shall form a quorum.

40. If both the President and the Vice-President are absent the members present shall elect one of the members present to act as Chairman.

41. When a meeting of the Executive Committee is adjourned for want of quorum, no quorum shall be necessary at the adjourned meeting.

42. (1) The term of office of an elected member of the Executive Committee shall be for 2½ years from the date of his election or till the next Executive Committee takes over after its election, whichever is later.

Notwithstanding anything contained herein, the Executive Committee shall cease to function with the termination of the Council that elects the Committee, irrespective of the reasons for termination of the Council.

(2) A member of the Executive Committee shall be eligible for re-election.

43. The Executive Committee may invite a member of the Council, who is not a member of the Executive Committee to attend any meeting of the Executive Committee. Any member so invited shall be free to participate in the discussions of the Executive Committee but shall not have the right to vote.

44. Within one week before the meeting of the Council, the Executive Committee shall ordinarily meet at the same place as of the Council meeting. The other meetings of the Executive Committee may take place at such other times and places as the President may determine.

Notice and agenda of such meetings of the Executive Committee shall ordinarily be given not less than 12 days before the meeting.

45. The Executive Committee shall consider the report on any subjects referred to it by the Council or by the President.

46. The Executive Committee shall take into consideration the reports of the course of study, facilities for teaching and examinations submitted by inspectors/visitors and shall thereupon prepare a report for submission to the Council.

47. The Executive Committee shall exercise all the powers of the Council in the implementation of the decisions of the Council and shall have the power to take decisions on behalf of the Council in all matters except those falling in the

sphere of other Committees. It shall also perform all the functions of the Council of administrative nature :

Provided that this shall not apply to matters of large policy or principle or involving an expenditure exceeding Rs. 25,000/- per annum from out of the sanctioned budget provision of the Council.

48. A copy of the minutes of each meeting of the Executive Committee shall be submitted to the President within 15 days of the meeting, and after having been attested by him shall be sent to each member of the Executive Committee within 20 days of the meeting.

If no objection to their correctness is received within 15 days of their despatch, any decision therein shall be given effect to. The minutes shall be sent to the members of the Council after confirmation by the Executive Committee.

Provided that the President may direct that action be taken on a decision of the Executive Committee before the expiry of the period of 15 days mentioned above.

PART VII*COMMITTEES*

49. (1) The Council may at any time, on the adoption of a motion to this effect, constitute any or all of the following Committees, namely :—

- (a) Education Committee;
- (b) Regulations Committee;
- (c) Finance Committee;
- (d) Registration Committee; and
- (e) Liaison Committee.

(2) The powers and functions of each Committee and the number of its members shall be determined at the time of the constitution of the Committee and unless the Council otherwise specifies, each Committee shall have full power, within the sphere of the functions assigned to it, to take decisions :

Provided, however, that its decisions shall be subject to ratification by the Council in the following cases, namely :—

- (i) where matters of large policy are involved;
- (ii) where the Committee's decision involves an expenditure on items exceeding Rs. 1,000/- per annum from out of the sanctioned budget;
- (iii) where according to the provisions of the Act, regulations or standing orders of the Council, orders of the Council, are necessary.

(3) The Chairman of each of these Committees shall be elected by respective members of the Committee.

(4) If a motion for appointment of a Committee is adopted, the mover shall name the members to be appointed as members of the Committee and any member may then move amendments proposing the addition of other names.

(5) If the number of members proposed as members of the Committee does not exceed the total number of members to form the Committee, the members so proposed shall be appointed as members of the Committee. If the number of members so proposed exceeds the total number of members to form the Committee, ballot shall be held and the requisite number of members who obtain the largest number of votes shall be appointed.

50. (1) The Council may at any time, on the adoption of a motion to this effect, appoint any other Committee.

(2) A motion for the appointment of Committee shall define the functions and powers of the Committee and the number of its members.

(3) Any member may without notice move an amendment to such a motion proposing that the functions and powers or the number of its members be enlarged or reduced.

51. (1) The proceedings of the Committee shall be conducted in accordance with Regulations contained in part I, provided

ed that such regulations may at any time be relaxed at the discretion of the Chairman.

(2) A resolution passed by a Committee appointed by the Council shall be embodied in a report prepared by the Secretary or by the Chairman at the latter's discretion, and when signed by the members of the Committee shall, with any notes of dissent, be presented to the Council at its next meeting subject to the provisions of the Regulations regarding notice.

52. (1) The number of members in each Committee shall not ordinarily exceed seven.

(2) No member of the Council shall be elected or appointed on more than two Committees.

(3) The Chairman of a Committee with the consent of the President, may invite not more than one member of the Council to attend any meeting of the Committee, who is not a member of that particular Committee but the person so invited shall be free to participate in the discussions of the Committee but shall not have the right to vote.

Provided that where financial commitment is not involved, any number of members can be invited by the Chairman of a Committee with the consent of the President but such invited members shall be free to participate in the discussions of the Committee but shall not have the right to vote.

PART-VIII

Tenure of office and powers and duties of Secretary-Registrar and other officers and servants of the Council.

Secretary/Registrar

53. The term of office of the Secretary/Registrar shall be fixed by the Council at the time of appointment. He shall normally retire on attaining the age of 58 years unless otherwise determined by the Council :

Provided that he may be granted extension of service beyond 58 years for a total period not exceeding two years.

54. (1) The Registrar shall be the Executive Officer of the Council.

(2) He shall perform such duties as have been assigned in the Act and the Regulations and also as assigned by the President. He shall also be responsible for the safety of the property of the Council, the control and management of the office and for the accounts and correspondence.

He shall see that the office staff attend punctually, and generally fulfil all such duties as may be required of him by the Council for the purposes of the Act. He shall attend and take notes of the proceedings of meetings of the Council, the Executive Committee and other Committees.

55. The Registrar shall, not less than 90 days before the expiration of the term of any member of the Council, draw the attention of the President to the approaching vacancy and the latter shall forthwith report it to the Central Government in order that a new member may be nominated or elected to fill the vacancy from the date on which the vacancy occurred.

Staff

56. Members of the ministerial and Group 'D' staff shall be required to retire on attaining the age of 58 years:

Provided that the Council may at their discretion extend the tenure of a member of the ministerial or lower-grade staff for any period not exceeding two years.

57. The duties and responsibilities of the staff shall be such as may be laid down from time to time in the standing orders as framed for the purposes by the Council.

58. Subject to the approval of the Executive Committee, the Registrar shall appoint the clerical and Group 'D' staff and may engage such temporary personnel as may be required from time to time, and pay a reasonable rate of remuneration to such personnel, provided it does not exceed the rate sanctioned by the Central Government for corresponding permanent staff. These appointments shall be subject to ratification by the Council.

PART-IX

Management of Property, Finance and Accounts

59. Subject to the control of the Council, the Executive Committee shall have full power and authority to do all such acts and deeds in respect of the property of the Council which may be necessary or expedient for the purpose of the Council and expend money therefrom, and in particular and without prejudice to the generality of this provision, the Executive Committee shall have power—

- (a) to look after, manage and supervise the management of the property of the Council and to expend money required for that purpose;
- (b) to pay all rates, rents, taxes, salaries or other dues;
- (c) to acquire by gift, purchase, exchange, lease or otherwise hand over and to sell, mortgage or otherwise dispose of any lands, buildings and other moveable or immovable properties of the Council;
- (d) to build, construct, maintain, pull down, alter, extend, improve and repair any building or structure; and
- (e) to delegate any of its powers to the President, Vice-President, Committee, any authority or Officer of the Council :

Provided that the Executive Committee shall place before the next meeting of the Council full information about any action taken in respect of the moveable or immoveable property of the Council:

Provided further that no sale, lease or any other transfer of immoveable property as mentioned in clauses (c) and (d) exceeding two thousand rupees in value shall be made without the previous sanction of the Council.

60. The Council is authorised to receive, for the purpose of its expenses, benefactions and contributions from private persons and bodies with the prior permission of the Central Government, and the proceeds of the sale of reports and other publications.

61. The Bankers of the Council shall be the local branch of State Bank of India. All funds of the Council shall be paid into the Council's account with that Bank and shall be withdrawn by means of cheques jointly signed by the President or in his absence Vice-President, and the Registrar. The cheque books shall remain in the personal custody of the Registrar.

62. The funds of the Council surplus to current requirements may on recommendation by the Registrar and with the sanction of the Finance Committee be invested in the following manner :—

- (i) in promissory notes, stock or other securities of any State Government or of the Government of India;
- (ii) in stock or debentures of or shares in companies the interest whereon shall have been guaranteed by the Government of India;
- (iii) in debentures or other securities for money issued under the authorities of an Act of a legislature established in India, by or on behalf of any Municipal Body, Port Trust or city improvement Trust.

63. An investment of the funds of the Council shall be made in the name of the Council. The safe custody receipts shall remain in the personal charge of the Registrar and shall be verified once in six months with the register of Securities maintained under Regulation 71 of this part and

a certificate of verification shall be recorded by the Registrar on the register and countersigned by the President.

64. The Finance Committee shall prepare detailed estimates of receipts and expenditure for the next financial year and shall submit the same for approval by the Executive Committee at its next meeting to be held for the purpose before the first of November every year. One copy of the sanctioned estimates shall be submitted to the Council and another to the Secretary, Ministry of Health and Family Welfare of the Central Government by the 1st of November every year.

65. The funds of the Council shall not be appropriated for expenditure on any item which has not been duly sanctioned by the Council or by the President or Registrar, as the case may be.

66. The Primary units of appropriations shall be "pay of officers" "pay of establishment", "allowance and honoraria", "contingencies" and "Leave and pension or provident fund contribution".

67. The President shall have power to reappropriate funds from one unit of appropriation to another within the total sanctioned estimates. Copies of orders sanctioning such reappropriation shall be communicated to the Executive Committee.

68. The Registrar shall have power to sanction expenditure on miscellaneous and contingent nature upto an amount not exceeding Rs. 500/- in each case. Expenditure in excess of that amount shall require the sanction of the President.

69. A permanent advance of Rs. 500/- shall be made to the Registrar.

70. The Registrar shall be the certifying officer for travelling, halting and other allowances to Members, Inspectors, Visitors and other employees of the Council and the President for those of the Registrar.

71. The following account registers of the Council shall be maintained :—

1. The Cash Book
2. The Classified Abstract.
3. The Register of Securities

4. The Register of Stock and Furniture.

5. The Register of Stock of Cheque Books

6. The Register of leave and pension contribution

7. The Register of permanent advances.

8. Annual Accounts

9. Any other Register

72. Monthly accounts shall be compiled in the classified abstract according to the primary units of appropriation. Suitable secondary units may be opened at the discretion of the Registrar who shall be responsible for the due preparation and maintenance of all accounts.

73. (1) The Accounts of the Council shall be audited annually by the Comptroller and Auditor-General of India or his nominee. If the Comptroller and Auditor General of India declines to undertake the auditing of the accounts of the Council, the Council may appoint a Chartered Accountant with the prior approval of the Central Government. Any expenditure incurred in connection with such audit shall be payable by the Council.

(2) The Comptroller and Auditor-General of India and any person appointed by him in connection with the audit of the accounts of the Council shall have the same right privileges and authority in connection with such audit as the Comptroller and Auditor-General has in connection with the audit of Government accounts and in particular shall have the right to demand the production of books, accounts, connected vouchers and other necessary documents and papers.

(3) The result of the audit shall be communicated by the auditor to the Council and after the Executive Committee has considered the same, the audit report and the audited statement of accounts shall be forwarded to the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India. Copies of the audit report shall at the same time be circulated to all the members of the Council, for information.

Provided, however, if release of Government grant is held up for want of audited accounts, President may forward the audited accounts to the Central Government immediately on receipt of the same from the Auditor.

DR. P. L. VERMA
Secretary

Central Council of Homoeopathy

